Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 174
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,23 जनवरी 2026

मंत्र भारत

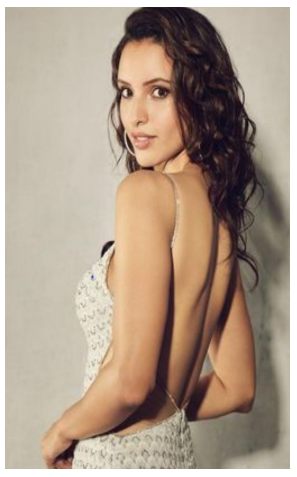

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 पंकज चौधरी का शाही स्वागत गंगा में उड़े केसरिया | 5 कैंसर रोगियों के लिए राहत भरी खबर, भारत में | 7 त्रिप्ति डिमरी ने शेयर किया विशाल भारद्वाज

जम्मू-कश्मीर के डोडा में हादसा:सेना का वाहन 400 फीट गहरी खाई में गिरा, दस जवानों की जान गई

11 घायल

डोडा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए सड़क हादसे में सेना के दस जवानों की जान चली गई जबकि 11 घायल हो गए। हादसा भद्रवाह-चंबा मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि सेना की टीम बृहस्पतिवार सुबह एक ऑपरेशनल ड्यूटी के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान खन्नीटॉप के पास दुर्गम और तीव्र मोड़ पर वाहन अनियंत्रित होकर करीब 400 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर ही 10 जवानों की जान चली गई 11 जवान घायल अवस्था में मिले। घायलों को पहले उप जिला अस्पताल भद्रवाह ले जाया गया। जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें विशेष उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर उधमपुर स्थित सेना के कमांड अस्पताल भेजा गया है। हादसे पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि डोडा में हुए दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हमारे 10 वीर जवानों की जान चली गई। इससे वह बेहद दुखी हैं। हम उनके उत्कृष्ट सेवा भाव और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उपराज्यपाल ने आगे कहा कि इस गहरे दुख की घड़ी में पूरा देश शोकाकुल परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। मृत जवानों के नाम जोबन जीत, सुधेर नरवाल, मोनू, मोहित, एचआर कंवर, सिमरन, पी लोरा, सुलिंदर, अजय लोफरा और स्वर्ण नाग पाल। घायल जवानों के नाम साहिल, जेपी सिंह, नीरज, अनूप, नागिस, अमन, शंकर, संदीप, जोबनप्रीत, राकेश और अभिमन्यु के रूप में हुई है। सभी घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है।

एआई सहायता के साथ 23 भाषाओं में उपलब्ध हैं यूसीसी सेवाएं, बनी तकनीकी उत्कृटता का मॉडल

देहरादून (एजेंसी)। सीएम धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जनसामान्य को पंजीकरण में किसी तरह की मुश्किल न आए। यूसीसी तकनीकी उत्कृटता का एक सफल उदाहरण बनकर उभरी है। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की सेवाएं, अंग्रेजी के अलावा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध है। आवेदक एआई की सहायता से भी यूसीसी की प्रक्रिया को समझने के साथ ही अपना पंजीकरण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समान नागरिक संहिता लागू करने से पहले ही अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि यूसीसी के तहत विभिन्न सेवाओं के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया को बेहद सरल रखा जाए। इसके साथ ही वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली रखा जाए, जिससे कोई भी व्यक्ति स्वयं ही अपना पंजीकरण करवा सके। इसी क्रम में आईटीडीए ने यूसीसी की वेबसाइट को आठवीं अनुसूची में शामिल 22 अनुसूचित भाषाओं, असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, उर्दू, सिंधी, बोडो, डोगरी, मैथिली, संथाली और मणिपुरी के साथ अंग्रेजी में तैयार किया है। इस तरह आवेदक अपनी भाषा के अनुसार न सिर्फ यूसीसी के नियम, प्रक्रिया और पंजीकरण के लिए जरूरी दस्तावेजों की जानकारी ले सकता है बल्कि अपनी भाषा में ही आवेदन भी कर सकता है। इस काम में एआई की भी मदद ली जा सकती है।

पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार बरी, 1984 के सिख विरोधी दंगों में आया दिल्ली अदालत का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में हिंसा भड़काने से संबंधित मामले में बृहस्पतिवार को बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने संक्षिप्त आदेश सुनाते हुए कुमार को बरी किया। आदेश की विस्तृत प्रति का इंतजार है। अगस्त 2023 में, एक अदालत ने कुमार पर दंगा करने और शत्रुता फैलाने के आरोप तय किए थे, जबकि हत्या और आपराधिक साजिश के आरोपों से उन्हें बरी कर दिया गया था। एक विशेष जांच दल ने दंगों के दौरान जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में हुई हिंसा की शिकायतों के आधार पर फरवरी 2015 में कुमार के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की थीं। पहली प्राथमिकी जनकपुरी में हुई हिंसा के मामले में दर्ज की गई थी, जहां एक नवंबर, 1984 को दो लोग सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी।

मुंबई में महिला होगी बीएमसी की मेयर, लॉटरी में हुआ फैसला

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई बीएमसी चुनाव के बाद मेयर किस वर्ग से होगा, इसका फैसला हो गया है। गुरुवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए लॉटरी से निकाला गया, जो महिला के पक्ष में गया। नवी मुंबई, पुणे और नाशिक नगर निगम में भी लॉटरी के बाद महिला के खाते में मेयर पद गया है। मुंबई मेयर पद चुनाव में इसको लेकर काफी कशमकश थी कि मेयर पद किस वर्ग में जाएगा। दरअसल, मेयर चुनाव के बाद हर बार चक्रानुक्रम आरक्षण से तय होता है कि मेयर पद एससी-एसटी, महिला, ओबीसी या किस अन्य वर्ग को जाएगा।इस बार भाजपा और शिवसेना शिंदे गुट ने 118 सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन उसमें कोई एससी वर्ग से नहीं था। ऐसे में यह सवाल उठ रहा था कि अगर ये पद एससी वर्ग के लिए आरक्षित होगा तो क्या होगा। जबकि उद्धव ठाकरे गुट से एससी वर्ग का पार्षद जीता था। मुंबई-पुणे-नागपुर महापालिकाओं में भी महिलाओं के हाथों में कमान होगी। लॉटरी में यह पद भी महिलाओं को आरक्षित किया गया है।

लाल किला हमले के दोषी की याचिका पर एससी सुनवाई को राजी, मौत की सजा का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2000 के लाल किला हमले के मामले में मौत की सजा पाए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी मोहम्मद आरिफ की उपचारात्मक याचिका पर सुनवाई करने पर वीरवार को सहमति जताई। इस हमले में सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे। न्यायालय ने इस मामले में सजा के खिलाफ आरिफ की पुनर्विचार याचिका तीन नवंबर 2022 को खारिज कर दी थी। आरिफ उर्फ अशफाक को अक्टूबर 2005 में निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी और दिल्ली हाई कोर्ट ने सितंबर 2007 में निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद आरिफ ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने अगस्त 2011 में आरिफ को दी गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। वीरवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी की विशेष पीठ ने वकीलों द्वारा प्रस्तुत दलीलों पर गौर किया, जिसमें शीर्ष अदालत के उन फैसलों का हवाला दिया गया था।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के 11 साल पूरे होने पर पीएम मोदी बोले- हर क्षेत्र में बेटियां बना रही हैं नए रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान ने गुरुवार को 11 साल पूरे किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले आज ही के दिन बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नए रिकॉर्ड बना रही हैं।पीएम मोदी ने एक सुभाषित शेयर करते हुए लिखा, दशपुत्रसमा कन्या दशपुत्रान्‍ प्रवर्धयन यत फलम्‍ लभते मर्त्यस्तल्लभ्यं कन्ययैकया गौरतलब है कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत 22 जनवरी 2015 को की गई। इसका उद्देश्य महिला-पुरुष के आधार पर चयन को रोकना, बालिकाओं के अस्तित्व व सुरक्षा को सुनिश्चित करना और बालिकाओं की शिक्षा सुनिश्चित करना है। यह केंद्र सरकार की शत-प्रतिशत वित्तपोषित योजना है और इसे देश के सभी जिलों में चलाया जा रहा है। बेटी बचाओ-बेटी पढाओश अभियान ने पिछले वर्षों में सफलतापूर्वक राष्ट्रीय चेतना में जगह बनाई। इस अभियान ने समुदायों, सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज और मीडिया को लड़कियों के हक में सहायक और न्यायसंगत वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एक साथ काम करने के लिए संगठित किया। इस कार्यक्रम ने जन्म के समय महिला-पुरुष अनुपात (एसआरबी) में सुधार, बालिका शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लड़कियों तथा महिलाओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण प्रगति भी हासिल की है ।स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के एचआईएमआईएस के आंकड़ों के अनुसार, देश में जन्म के समय लिंगानुपात साल 2014-15 में 918 था, जो 2024-25 में बढ़कर 929 तक पहुंचा।

'संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं...'

प्रयागराज विवाद के बीच सीएम योगी का बड़ा बयान

सोनीपत (हरियाणा) (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोनीपत के मुरथल स्थित बाबा नागे वाला धाम पहुंचे, जहां उन्होंने मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और आठमान भंडारे में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में नाथ संप्रदाय के संतों, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, और योगी आदित्यनाथ के संबोधन से पूरा मंच जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरूआत योगी आदित्यनाथ ने संतों के नाम लेकर जयकारों से की। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में चल रहे माघ मेले और ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े विवाद के बीच एक बड़ा और सख्त बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एक योगी, एक संत या संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। योगी ने स्पष्ट किया कि संन्यासी की कोई व्यक्तिगत संपत्ति नहीं होती, उसकी असली संपत्ति धर्म है और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान है। उन्होंने आयोजक गोरक्षपीठाधीश्वर महंत बालक नाथ महाराज, यहां के महंत और अन्य आयोजकों को बधाई दी। योगी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत में नाथ संप्रदाय सबसे प्राचीन और प्रभावशाली समुदाय है। यह संप्रदाय जनता को जीने का अच्छा तरीका सिखाता है और सनातन धर्म को मजबूत करने में सबसे आगे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सनातन धर्म की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि गुलामी और विदेशी ताकतों को पीछे छोड़ते हुए हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं। भारत का हित होगा तो सनातन धर्म मजबूत होगा, कहा कि ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राजनीति भी ऐसे लोगों के हाथों में होनी चाहिए जो भारत को मजबूत बनाएं। योगी आदित्यनाथ ने पिछले 11 वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए राम मंदिर निर्माण को याद किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर एक कल्पना थी, लेकिन अच्छी सरकार बनने से वो हकीकत बन गया। आज अयोध्या में राम मंदिर की पताका फहरा रही है, काशी में भी ऐसा हो रहा है। आज प्रयागराज में चार करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने भविष्य की बात करते हुए कहा कि आगे 1 हजार साल भारत का डंका बजेगा। हमें राजनीति से नहीं, जनता से और प्रदेश से विकसित होना है।

मनरेगा ने गरीबों को अधिकार दिया था

राहुल गांधी का भाजपा पर तीखा हमला, लोगों से की एक जुट होने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लाए गए विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी तथा केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और लोगों का आह्वान किया कि वे सरकार के इस कदम के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों। उन्होंने कांग्रेस के प्रकोष्ठ रचनात्मक कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम मनरेगा बचाओ मोर्चा में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा ने तीनों काले कृषि कानून लाकर किसानों के साथ जो किया था, वही अब वह मनरेगा को खत्म कर मजदूरों के साथ करना चाहती है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि भाजपा एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जिसमें एक राजा सारे फैसले करे तथा देश के गरीब, अदाणी और अंबानी पर पूरी तरह निर्भर हो जाएं। राहुल गांधी ने कहा, मनरेगा ने गरीबों को अधिकार दिया था। इसके पीछे यह सोच थी कि जिसे भी काम की जरूरत हो, वह सम्मान के साथ काम मांग सके। मनरेगा को पंचायती राज के तहत चलाया जाता था। मनरेगा में लोगों की आवाज थी, उनका अधिकार था- जिसे नरेन्द्र मोदी खत्म करने में लगे हैं। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले भाजपा ने श्तीन काले कृषि कानून लाकर किसानों पर आक्रमण किया था लेकिन किसानों और हम सबने नरेन्द्र मोदी पर दबाव डाल कर उसे रोक दिया। अब उसी तरह का हमला मजदूरों पर करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें नए अधिनियम का नाम भी नहीं याद है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि मनरेगा की जगह लाए गए नए कानून के तहत केंद्र सरकार निर्णय लेगी कि किस राज्य को कितना पैसा भेजा जाएगा।

झारखंड के सारंडा में एक करोड़ का इनामी पतिराम समेत 15 नक्सली ढेर, सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

चाईबासा (एजेंसी)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगलों में गुरुवार सुबह छोटानागरा थाना क्षेत्र के कुंभडीह गांव के पास सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, 1 करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष माओवादी कमांडर अनल दा उर्फ पतिराम मांझी समेत 15 नक्सली ढेर हो गए। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की, तो नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों को निर्णायक सफलता मिली। मुठभेड़ रुक-रुक कर जारी है, और सर्च ऑपरेशन चल रहा। कोल्हान प्रमंडल के डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा ने मुठभेड़ की पुष्टि की, लेकिन मारे गए नक्सलियों की संख्या व पहचान पर आधिकारिक बयान ऑपरेशन समाप्त होने के बाद ही देने की बात कही। उन्होंने विषम इलाके में सतर्कता बरतने की बात कही। पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट है, अतिरिक्त बल तैनात। यह कार्रवाई भाकपा (माओवादी) के अनल दस्ते के खिलाफ थी, जो बड़ी साजिश रच रहा था। मुठभेड़ स्थल से हथियार, गोला-बारूद बरामद। सुरक्षाबलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

केंद्र सरकार पर खड़गे का तीखा हमला, गरीबों को बंधुआ मजदूर बनाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को लेकर वीरवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) को खत्म करना गरीबों को बंधुआ मजदूर बनाने की साजिश है तथा 28 जनवरी से शुरू हो रहे संसद के बजट सत्र के दौरान उनका दल इस मुद्दे को उठाएगा। उन्होंने कांग्रेस के नवगठित प्रकोष्ट रचनात्मक कांग्रेस की ओर से आयोजित कार्यक्रम मनरेगा बचाओ मोर्चा को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस मनरेगा की बहाली के लिए देश भर में व्यापक आंदोलन शुरू कर रही है। खड़गे ने कहा, देश के तमाम हिस्सों में कांग्रेस पार्टी मनरेगा को बचाने के लिए आंदोलन करने जा रही है। मनरेगा को खत्म करना, सिर्फ कमजोर तबकों पर प्रहार नहीं है। यह महात्मा गांधी जी को जन स्मृति से हटाकर, ग्राम स्वराज की सोच पर हमला करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि कोई दल किसी योजना का महात्मा गांधी पर रखा गया नाम हटाने की हिमाकत कर रहा है। देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। मोदी सरकार मनरेगा को खत्म करने का काम इसलिए कर रही है, ताकि देश के दबे-कुचले लोगों को बंधुआ मजदूर बनाया जा सके।

शराब घोटाले से जुड़े 2 केस में केजरीवाल को बड़ी राहत, अदालत ने बरी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने आज पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को कथित शराब नीति घोटाले से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन का पालन न करने के मामलों में बरी कर दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने फैसला सुनाया। विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल को जारी समन का पालन न करने के लिए उनके खिलाफ अदालत में याचिका दायर की थी। ईडी ने आरोप लगाया था कि केजरीवाल ने जांच में शामिल होने के लिए जारी किए गए समन का जानबूझकर पालन नहीं किया। ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ समन का पालन न करने के आरोप में दो आपराधिक शिकायतें दर्ज की थीं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने 2 नवंबर और 21 दिसंबर 2023 तथा 3 जनवरी और 18 जनवरी 2024 को जारी किए गए ईडी के समन में उपस्थित नहीं हुए थे। उन्होंने इन समन नोटिसों को अवैध बताया था। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च, 2024 को गिरफ्तार किया था। उन्हें 20 जून, 2024 को राउज एवेन्यू कोर्ट की अवकाशकालीन न्यायाधीश नियाय बिंदु ने जमानत दे दी थी। ईडी की चुनौती पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस आदेश पर रोक लगा दी थी। जुलाई 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को उच्च पीठ के पास भेज दिया। ईडी ने आरोप लगाया था कि आबकारी नीति को कुछ निजी कंपनियों को थोक व्यापार में 12 प्रतिशत का लाभ देने की साजिश के तहत लागू किया गया था, हालांकि मंत्रिपरिषद (जीओएम) की बैठकों के कार्यवृत्त में ऐसी कोई शर्त दर्ज नहीं थी।

इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीन (ई.पी.एम.) का निरीक्षण करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 22 जनवरी, 2026 को सिगनल कारखाना, गोरखपुर छावनी का गहनता से निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री एम.एल. मकवाना, मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नियोजन श्री नीलाभ महेश, मुख्य कारखाना प्रबन्धक/सिगनल कारखाना श्री पवन कुमार वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने मॉडल रिले रूम के विभिन्न यूनिटों में सिगनलिंग रिले से सम्बन्धित हो रहे कार्यों एवं प्रपत्रों का गहनता से अवलोकन किया तथा सम्बन्धित अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सिगनलिंग रिले के विभिन्न चरणों के परीक्षण सम्बन्धित पूर्ण कार्यवाही करना आवश्यक है ताकि विफलताओं को शून्य किया जा सके। इसके पश्चात महाप्रबन्धक ने 143 मिमी. इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीन (ई.पी.एम.) के कार्यप्रणाली तथा ई.पी.एम. के ह्यातकनीकी विनिदेर्शों की अनुसूचीह्य (एस.टी.आर.) का अवलोकन किया। श्री बोरवणकर ने बैटरी चार्जर एवं रिले परीक्षण मशीनों को देखा तथा परीक्षण मशीनों को अपग्रेड करने एवं विफलताओं का डेटा एकत्रित कर उसमें व्यापक सुधार करने हेतु फीडबैक सिस्टम बनाने पर जोर दिया। निरीक्षण के अन्त में महाप्रबन्धक ने इलेक्ट्रिक लिफ्टिंग बैरियर (ई.एल.बी.) की कार्यप्रणाली एवं आपरेटस केस के लॉकिंग सिस्टम में आवश्यक सुधार हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने उत्पादन में उपयोग हो रही सामग्रियों की जाँच कर उचित सामग्रियों का ही उपयोग उत्पादन कार्यों में करने पर जोर दिया। इस दौरान महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने सिगनल कारखाना परिसर में पौधारोपण किया। विदित है कि सिगनल कारखाना में सिगनलिंग रिले, इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीन (ई.पी.एम.), आपरेटस केस एवं इलेक्ट्रिक लिफ्टिंग बैरियर (ई.एल.बी.) का उत्पादन बहुतायत में किया जाता है। रेल संचलन में सिगनलिंग रिले, इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीन एवं आपरेटस केस अति महत्वपूर्ण संरक्षा उपकरण हैं, जिसे सिगनल कारखाना द्वारा इस रेलवे के अतिरिक्त पूर्व रेलवे, पश्चिम रेलवे, उत्तर रेलवे, दक्षिण रेलवे, मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, पूर्व तटीय रेलवे इत्यादि को आपूर्ति की जा रही है। सिगनल कारखना में वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में 14,060 अदद सिगनलिंग रिले, 2,066 अदद इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीन तथा 2,302 अदद आपरेटस केस का उत्पादन किया गया है।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 20 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज रामबाग, इंजीनियरिंग विभाग व स्थानीय पुलिस के संयुक्त निगरानी में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रेलवे स्टेशन झूंसी के समीप कटका गाँव के पास रेलवे की भूमि में अवैध रूप से सी.सी. सड़क निर्माण को शांतिपूर्ण तरीके से अतिक्रमण मुक्त कराया गया। 20 जनवरी, 2026 को गाड़ी सं0 12565 के रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट द्वारा निगरानी के दौरान 11 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा को सौंपा गया, जिसे पूछताछ के उपरान्त वन स्टाप सेन्टर, गोण्डा को सुपुर्द किया गया। 19 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट फरूर्खाबाद को स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 4 पर 17 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली। 20 जनवरी, 2026 को पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन फतेहगढ़ को सुपुर्द किया गया। 21 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोमतीनगर को निगरानी के दौरान स्टेशन के कॉनकोर एरिया में बेन्च पर महिला यात्री का छूटा एक पर्स मिला, जिसे गोमतीनगर पोस्ट पर जमा किया गया। महिला यात्री के पुत्र के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पर्स सुपुर्द किया गया। 20 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 14864 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे वाराणसी सिटी पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 20 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी बढ़नी को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 05131 में यात्री का छूटा एक टैबलेट मिला, जिसे बढ़नी चौकी पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त टैबलेट सुपुर्द किया गया।

संक्षिप्त खबरें

बीएलओ को धमकी, प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के वार्ड 52 की बीएलओ शशिकला ने धमकी देने के आरोप में ग्राम बटेला निवासी अब्दुल अजीज पर मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के जमोहरा निवासी शशिकला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। एसआईआर के लिए बूथ 25 की बीएलओ बनाई गई हैं। उन्होंने थाने पर तहरीर देकर कहा है कि अब्दुल अजीज पहले उनके ही ग्राम सभा में रहता था। 2021 के पंचायत चुनाव में मतदाता सूची में उसका नाम आने पर उच्चाधिकारियों ने जांच कराई थी। जांच में पाया गया था कि 25 साल से वह ग्राम बटेला में रह रहा है। इस वजह से मतदाता सूची से उसका नाम काट दिया गया था। एसआईआर फार्म आने पर उसके घर पर न रहने की वजह से एसआईआर फार्म शिफ्ट कर दिया गया।

बकाया भुगतान को लेकर मिल कर्मचारियों ने की चर्चा

बस्ती। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी के नेतृत्व में वाल्टरगंज के मिल कर्मचारियों और मिल प्रबंधन की बैठक एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई। मिल कर्मचारियों के लंबित भुगतान व गन्ना किसानों के भुगतान को लेकर वाल्टरगंज चीनी मिल गेट पर चल रहे धरने के संबंध में वार्ता हुई। मिल प्रबंधन और कर्मचारियों की बैठक सकारात्मक रही। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने लंबित वेतन भुगतान को लेकर गंभीरता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों एवं मिल प्रबंधन से वार्ता की और कहा कि भुगतान जल्द कराएं। प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि भुगतान जल्द होगा। महेश पांडेय, जयपाल राठौर, कमलेश पटेल, अंगद वर्मा, अनिल पटेल, वीरेंद्र वर्मा, जनार्दन सिंह मौजूद रहे।

शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शिक्षकों के साथ ही अभिभावकों और जन प्रतिनिधियों को मिलकर साझा प्रयास करना होगा। यह बातें साऊंघाट के ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार ने कही। वह बुधवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय पुस्तकालय एवं वाचनालय गौरा धमौरा के सभागार में आयोजित ब्लॉक स्तरीय ग्राम प्रधान, स्थानीय प्राधिकारी, निकाय एवं प्रधानाध्यापक की एक दिवसीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उहोंने कहा कि शिक्षकों को छात्रों के साथ ही अभिभावकों का विश्वास जीतना होगा, तभी विद्यालय में बेहतर शिक्षा मिल पाएगी। जब लोगों को भरोसा हो जाएगा तो परिषदीय विद्यालयों की स्थिति में स्वतः सुधार हो जाएगा। गोष्ठी को खंड शिक्षाधिकारी धीरेंद्र कुमार त्रिपाठी, ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष सुभाष चंद आदि मौजूद रहे।

मुरादाबाद जाएगी बस्ती की टीम

बस्ती। 28 से 30 जनवरी तक मुरादाबाद में आयोजित हो रही प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में बस्ती टीम हिस्सा लेंगी। खिलाड़ियों का ट्रायल 23 जनवरी को जिलास्तर पर और 24 जनवरी को मंडलस्तर पर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में सुबह 11 बजे से होगा। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि फ्री स्टाइल कुश्ती 97, 92, 86, 79, 74, 70, 65, 61, 57 एवं 125 किग्रा. और ग्रीको रोमन कुश्ती के लिए 97, 87, 82, 77, 72, 67, 63, 60, 55 एवं 130 किग्रा. के खिलाड़ी शामिल हो सकेंगे।

पीएम श्री विद्यालयों की सुरक्षा होगी मजबूत

बस्ती। निजी स्कूलों की तर्ज पर अब सरकारी विद्यालयों की सुरक्षा भी चाक-चौबंद होगी। जिले में संचालित 22 पीएम श्री विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। बच्चों की सुरक्षा और विद्यालय परिसरों में उपलब्ध संसाधनों की हिफाजत को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग विशेष इंतजाम करने जा रहा है। जिले में संचालित 22 पीएम श्री कंपोजिट विद्यालयों में दो-दो सुरक्षाकर्मी की तैनाती होने जा रही है। इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इनमें सभी ब्लॉकों से एक से दो पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय शामिल हैं। इन स्कूलों में दिन-रात पहरेदारी रहेगी ताकि किसी भी तरह की चोरी, तोड़फोड़ या असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। निजी स्कूलों के समकक्ष बनाने की पहल : शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार पीएम श्री योजना के तहत स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। ऐसे में इन संसाधनों की सुरक्षा बेहद जरूरी है। सुरक्षा गार्डों की तैनाती से न केवल विद्यालय परिसर में चोरी की घटनाएं रुकेगी, बल्कि अभिभावकों को भी अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर भरोसा मिलेगा।

गोंड समाज के लोगों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

रुधौली। गोंड जाति की पर्याय धुरिया जाति को अनुसूचित जनजाति का जाति प्रमाणपत्र जारी न दिए जाने पर अखिल भारतवर्षीय गोंड महासभा के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को तहसीलदार रवि यादव को ज्ञापन सौंपा। शासनादेश के अनुसार गोंड समाज के धुरिया जाति के लोगों को अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की। महासभा के जिलाध्यक्ष बलराम गोंड ने कहा कि केंद्र सरकार के राजपत्र अनुसूचित जातियां एवं अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम 2002 तथा शासनादेश 23 अक्तूबर 2020 के अनुसार उत्तर प्रदेश के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ समेत 13 जनपदों गोंड जाति की पर्याय धुरिया जाति अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल है। इसके बावजूद जिला प्रशासन की ओर से धुरिया जाति के आवेदनों को कहार (अन्य पिछड़ा वर्ग) दशार्ते हुए निरस्त किया जा रहा है।

देसी संसाधनों से की जा सकती है फसल की सुरक्षा

बस्ती। विकास भवन सभागार में 20 और 21 जनवरी को प्राकृतिक खेती में कीट एवं रोग प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय सेवारत कर्मचारियों का प्रशिक्षण दिया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एसके तोमर ने कहा कि प्राकृतिक खेती में जैविक उपायों, देसी संसाधनों व समन्वित प्रबंधन तकनीकों को अपनाकर फसल सुरक्षा की जा सकती है। उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग पर बल दिया। साथ ही, आच्छादन एवं जैविक खरपतवार नाशी के प्रकार एवं लाभ पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के कोर्स कोआर्डिनेटर/फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. प्रेम शंकर ने प्राकृतिक खेती में कीट एवं रोगों की पहचान, निगरानी एवं जैविक नियंत्रण विधियों पर जानकारी दी। कृषि वानिकी वैज्ञानिक डॉ. पीके मिश्रा ने वानिकी आधारित प्रणालियों में फसल सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

गणतंत्र दिवस पर होगा कवि सम्मेलन का आयोजन

बस्ती। गणतंत्र दिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक विनोद कुमार उपाध्याय ने बताया है कि यह कवि सम्मेलन प्रेस क्लब में शाम चार बजे से होगा। कवि सम्मेलन का आयोजन ओम साईं हरि वंश सेवा समिति के तत्वावधान में किया जा रहा है। इस अवसर पर देशभक्ति, सामाजिक सरोकारों एवं सांस्कृतिक मूल्यों से ओत-प्रोत रचनाओं की प्रस्तुति होगी। कहा कि देश की आजादी के आंदोलन में साहित्यकारों और कवियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनकी रचनाओं ने जनमानस को जागरूक करने और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का कार्य किया।

तीन दोषियों को आज सुनाई जाएगी सजा परिवार की निगाहें अदालत पर दोषियों के चेहरे पर खौफ

कानपुर। कुशाग्र हत्याकांड में अपर जिला जज-11 की अदालत आज तीनों दोषियों ट्यूशन टीचर रविता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात और साथी आर्यन को सजा सुनाएगी। मंगलवार को कोर्ट ने इन्हें हत्या और साजिश का दोषी करार दिया था। कानपुर में छात्र कुशाग्र कन्नौजिया हत्याकांड में दोषी करार दिए गए तीन आरोपियों को गुरुवार को सजा सुनाई जाएगी। अपर जिला जज-11 सुभाष सिंह की अदालत में सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी। इस दौरान कुशाग्र के परिजन भी कोर्ट में मौजूद रहेंगे। मंगलवार को अदालत ने ट्यूशन टीचर रविता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसके साथी आर्यन को हत्या का दोषी ठहराया था। अदालत ने माना कि तीनों ने साजिश के तहत कुशाग्र की हत्या की। साथ ही, प्रभात शुक्ला और आर्यन को साक्ष्य मिटाने का भी दोषी माना गया है। अभियोजन पक्ष की ओर से मामले में कुल 14 गवाह पेश किए गए थे। 13 जनवरी को अंतिम बहस पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा था। गौरतलब है कि 30 अक्टूबर 2023 को हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र का कोचिंग जाते समय अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले ने शहरभर में गहरी प्रतिक्रिया पैदा की थी।

ट्यूशन टीचर रचिता प्रेमी प्रभात और साथी को उम्रकैद 30 लाख की फिरौती के लिए घोंटा था गला

कानपुर। कानपुर की एडीजे-11 कोर्ट ने छात्र कुशाग्र की हत्या के मामले में ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी और एक अन्य साथी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। 2023 में 30 लाख की फिरौती के लिए आरोपियों ने छात्र का अपहरण कर हत्या कर दी थी। कानपुर में ढाई साल पहले रायपुरवा में 16 साल के हाईस्कूल के छात्र की अपहरण के बाद गला घोंटकर की गई थी। मामले में तीन दोषियों को अपर जिला जज 11 सुभाष सिंह ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। हत्या की दोषी कुशाग्र की पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और साथी शिवा गुप्ता पर कोर्ट ने भारी जुमार्ना भी लगाया है। रायपुरवा स्थित भगवती विला अपार्टमेंट में रहने वाले कुशाग्र कनोडिया की 30 अक्तूबर 2023 को कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। हत्यारों ने 30 लाख रुपए फिरौती की मांग भी की थी। फिरौती का पत्र डालने अपार्टमेंट में आए युवक की स्कूटी को अपार्टमेंट के चौकीदार ने पहचान लिया था। इसके बाद पुलिस और परिजनों ने तत्परता दिखाई। सीसीटीवी फुटेज महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हुए उसी रात कुशाग्र तक तो पहुंच गए, लेकिन अपहरणकताओं ने तब तक कुशाग्र की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि इस मुकदमे में अभियोजन की ओर से 14 गवाह कोर्ट में पेश किए गए। अभियुक्तों की कॉल डिटेल रिपोर्ट और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हुए। हत्यारों के लिए फांसी की मांग सभी के आधार पर कोर्ट ने रचिता, प्रभात और शिवा को 20 जनवरी को अपहरण और हत्या का दोषी करार दे दिया था।

श्मशान घाट के पीछे पांच महीने से चल ही थी अवैध असलहा फैक्टरी

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के मांझा खुर्द में श्मशान घाट के पीछे पांच महीने से अवैध असलहा बनाने की फैक्टरी चल रही थी, मगर पुलिस को भनक तक नहीं लग पाई थी। यदि दुबौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम बेमहरी के खूनी टोला में हुए तांत्रिक हत्याकांड से पुलिस पर्दा न उठाती तो शायद अब तक इस अवैध धंधे का पदार्फाश न हुआ होता। सूत्र बताते हैं कि पुलिस की पूछताछ में सुपारी किलर ने बताया था कि उसने 32 बोर का अवैध असलहा और कारतूस कहां से खरीदा था। इसके बाद से पुलिस और एसओजी टीम अवैध असलहा बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़ करने में जुट गई थी। इस बात की भनक अवैध असलहा बनाने वाले आंबेडकरनगर जिले के थाना इब्राहिमपुर के इलफातगंज निवासी ताज मोहम्मद को भी लग गई थी, इसलिए उसने अपना काम समेट लिया था। वह कभी-कभार ही असलहा बनाने के लिए आने लगा था। मंगलवार को सटीक मुखबिरी पर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने उसे दबोच लिया था। बता दें कि दुबौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम बेमहरी के खूनी टोला निवासी तांत्रिक रामजीत (58) की हत्या 26 दिसंबर 2025 की रात में उसके घर पर बरामदे में सोते समय मुंह से असलहा सटाकर गोली मारकर की गई थी। पुलिस की पूछताछ में आरोपी लवकुश उर्फ लालचंद ने बताया था कि उसने योजना बनाकर विवेक चौधरी, सजरे आलम, अरुण कुमार से संपर्क कर सुपारी के रूप में एक लाख रुपये देकर तांत्रिक की हत्या कराई थी।

डिप्टी सीएम केशव ने 2047 का बनाया लक्ष्य कहा- युवाओं को मिलेगा सरकार का साथ पीएम की तारीफ

आजमगढ़। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का भाजपा कार्यकताओं ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हताशा, निराशा, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद और तुष्टिकरण से उबर कर भारत अब संभावनाओं का देश बन रहा है। लोगों को स्वदेशी अपनाने की अपील की। स्वदेशी, विकास और सांस्कृतिक विरासत के मुद्दे पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को बड़ा संदेश दिया। जनपद दौरे पर पहुंचे डिप्टी सीएम का पुलिस लाइन में भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। इसके बाद वे नगर स्थित हरिऔध कला भवन पहुंचे, जहां आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत कर उन्होंने सरकार की उपलब्धियों के साथ 2047 के विकसित भारत का विजन साझा किया। डिप्टी सीएम नगर के हरिऔध कला केंद्र में ब्रह्मर्षि स्वामी सहजानंद सेवा न्यास एवं महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में स्वदेशी की सोच में बड़ा बदलाव आया है। पहले स्वदेशी की बात करने में लोग संकोच करते थे, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी पर गर्व किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि देशवासी स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें, तो दुनिया की कोई ताकत भारत को पीछे नहीं रख सकती। युवाओं से की बातचीत डिप्टी सीएम ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने गरीबों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ते हुए 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम किया है। शिक्षा के क्षेत्र में आजमगढ़ में महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय की स्थापना इसका बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य बन चुका है, जहां हर मंडल में कम से कम एक विश्वविद्यालय और हर जनपद में मेडिकल कॉलेज की दिशा में ठोस कार्य हुआ है। उन्होंने एक जनपद, एक उत्पाद योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना से प्रदेश में आर्थिक क्रांति आई है, लेकिन सरकार का लक्ष्य यहीं तक सीमित नहीं है। गांवों के विकास से ही शहर, जनपद और प्रदेश का समग्र विकास संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 13 वर्षों के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। तुष्टिकरण की राजनीति दूर हो गई। उन्होंने कहा कि पहले देश हताशा, निराशा, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद और तुष्टिकरण की राजनीति में उलझा हुआ था, लेकिन आज भारत संभावनाओं का देश बन चुका है। उन्होंने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भारत अपनी विरासत पर गर्व कर रहा है। दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है और इसमें उत्तर प्रदेश की अहम भूमिका है। 2047 तक विकसित भारत बनाने में अब केवल 21 वर्ष शेष हैं। युवाओं को आगे बढ़ने की जरूरत है। सरकार, समाज और संगठन उनके साथ हैं, उन्हें अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए कभी अकेलापन महसूस नहीं होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय संयोजक गोरखपुर सहजानंद राय, महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार, अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती (राजगुरु मठ पीठाधीश्वर, काशी) सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, शिक्षाविद् और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस पर पिकअप चढ़ाइ फायरिंग की सिपाही घायल बदमाशों का दुस्साहस देख पुलिस ने भी दागी गोली दो अरेस्ट

सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस ने मुठभेड़ में दो पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। रोकने पर बदमाश पिकअप टीम पर चढ़ाकर भाग रहे थे, जिसमें एक सिपाही घायल हो गया। घायल बदमाश और सिपाही को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। सोनभद्र के थाना घोरावल क्षेत्र के केवली गांव स्थित खाखे मोड़ नहर पुलिया चौराहा के पास बुधवार की रात पशु तस्करों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में दो तस्कर पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने मौके से नौ गोवंश, एक पिकअप वाहन, दो तमंचे और कारतूस बरामद किए हैं। मुठभेड़ में एक मुख्य आरक्षी भी घायल हो गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे गो-तस्करी विरोधी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी राहुल पांडेय के पर्यवेक्षण में घोरावल, करमा व शाहगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की। मुखबिर से सूचना मिली थी कि बिना नंबर प्लेट की पिकअप से गोवंश को मध्य प्रदेश सीमा से बिहार ले जाया जा रहा है। इस पर पुलिस टीम ने खाखे मोड़ के पास घेराबंदी की। खुद को घिरता देख तस्करों ने भागने का प्रयास किया और पिकअप से एक मुख्य आरक्षी को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने की कार्रवाई आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों तस्कर घायल हो गए। घायल अभियुक्तों की पहचान सिद्धनाथ खरवार (29) निवासी ग्राम अमहरा, थाना अधौरा, जिला कैमूर, बिहार तथा ओमप्रकाश यादव (30) निवासी चैनपुर, भभुआ, बिहार के रूप में हुई है। दोनों को उपचार के लिए सीएचसी घोरावल भेजा गया। मौके से पुलिस ने पिकअप वाहन में लदे नौ गोवंश बरामद किए, जिनमें एक की मौत हो चुकी थी। साथ ही दो अवैध तमंचे, दो जिंदा कारतूस व दो खोखा कारतूस भी मिले हैं। पूछताछ में तस्करों ने बताया कि वे संगठित गिरोह बनाकर लंबे समय से गो-तस्करी कर रहे थे। मध्य प्रदेश सीमा क्षेत्र से गोवंश लादकर नौगढ़ के रास्ते बिहार ले जाते थे, जहां से उन्हें पश्चिम बंगाल भेजा जाता था। पुलिस ने बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पंकज चौधरी का शाही स्वागत गंगा में उड़े केसरिया गुब्बारे जेसीबी से पुष्पवर्षा भाजपाइयों ने दिखाया दम

कानपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के कानपुर आगमन पर जाजमऊ में नावों से गुब्बारे उड़वकर और सड़कों पर जेसीबी से पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। हजारों की संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं के कारण पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का कानपुर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। जाजमऊ से शहर में प्रवेश करते समय गंगा के रास्ते नावों से केसरिया गुब्बारे उड़ाए गए। इस अनोखे स्वागत में मछुआरा समाज की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली। गंगा घाट से लेकर शहर की सीमा तक उत्साह का माहौल रहा। स्वागत कार्यक्रम में कानपुर समेत आसपास के कई जिलों से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने जेसीबी मशीन के जरिए प्रदेश अध्यक्ष पर फूल बरसाए। इस दौरान ढोल-नगाड़ों और नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। केसरिया रंग में सजा वातावरण पार्टी के शक्ति प्रदर्शन जैसा नजर आया। संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं के उत्साह का प्रतीक प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर जाजमऊ और आसपास के मार्गों पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी, हालांकि कार्यकर्ता व्यवस्था संभालते नजर आए। पार्टी नेताओं ने इसे संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं के उत्साह का प्रतीक बताया।

लखनऊ में भीषण जाम रूनेशनल कॉलेज के सामने एम्बुलेंस फंसी

लखनऊ (संवाददाता)। हजरतगंज-विधानसभा रोड पर गणतंत्र दिवस समारोह के रिहर्सल परेड की वजह से रूट डायवर्जन रहा। इसकी वजह से आसपास की सड़कें जाम हो गईं। नेशनल कॉलेज के सामने जाम में एम्बुलेंस फंस गई। उदयगंज और हुसैनगंज में करीब 55 मिनट से वाहन फंसे रहे। मंत्री कपिल देव अग्रवाल आवास के सामने, लालबत्ती चौराहा और वीवीआईपी गेस्ट हाउस के आसपास करीब 500 मीटर तक भीषण जाम लगा। इसके पहले 3 दिन अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन की वजह से हजरतगंज में हुए डायवर्जन के कारण शहर जाम में जाम लगा था। चारबाग से लेकर केकेसी, महाराणा प्रताप चौराहा, वर्लिंग्टन चौराहा, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज चौराहा, हलवासिया होते हुए के.डी सिंह बाबू स्टेडियम तक रिहर्सल परेड हुई। इससे इन क्षेत्र में यातायात प्रतिबंध लागू करके रूट डायवर्जन किया गया। वैकल्पिक मार्गों पर अधिक ट्रैफिक होने की वजह से सुबह से ही हजरतगंज के आसपास की सड़कों पर जाम लगना शुरू हो गया। दोपहर तक सड़कें पूरी तरह से जाम हो गईं। सबसे अधिक जाम की स्थिति उदयगंज चौराहा से कैंट की तरफ जाने वाली सड़क पर रहा।

संक्षिप्त समाचार

महाराज बाड़े से हटाया अतिक्रमण

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात के लिए शहर के विभिन्न स्थानों से अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। बुधवार को निगम के अमले ने महाराज बाड़ा एवं गोल पहाड़िया के विभिन्न स्थानों एवं मुख्य मार्गों पर यातायात अवरुद्ध कर रहे हाथ ठेले एवं अन्य अस्थायी अतिक्रमण को हटाकर सामान जब्त किया। साथ ही हिदायत दी कि मुख्य मार्गों पर हाथ ठेला आदि लगाकर किसी प्रकार का अतिक्रमण न किया जाए। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों से 7100 रुपए का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक विशाल जाटव सहित दक्षिण विधानसभा अमला उपस्थित रहा।

माधव पुस्तकालय में साहित्यकार सम्मान कल

ग्वालियर। माधव पुस्तकालय में बसंत पंचमी 23 जनवरी को शाम 4 बजे वरिष्ठ साहित्यकार माता प्रसाद शुक्ला व वरिष्ठ पत्रकार व लेखक बच्चन विहारी का सम्मान किया जाएगा। पुस्तकालय के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने बताया कि मां सरस्वती जी का पूजन विधिविधान के साथ पुस्तकालय समिति द्वारा टोपी बाजार मुख्यालय पर किया जाएगा।

नई राहें नए अवसर का आयोजन 27 को

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग द्वारा महिला उद्यमियों के लिए 'नई राहें नए अवसर' कार्यक्रम के द्वितीय चरण का आयोजन 27 जनवरी को शाम 4:30 बजे पड़ाव पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आईआईडीसी की कार्यकारी निदेशक अनिशा श्रीवास्तव होंगी।

युवक की गोली मारकर हत्या

कंपू थाना क्षेत्र के नयागांव रेलवे ट्रैक के पास की घटना

■ ग्वालियर

एक युवक की गोली मारकर अज्ञात बदमाशों ने हत्या की है। घटना कंपू थाना क्षेत्र के नयागांव रेलवे ट्रैक के पास बुधवार की शाम साढ़े छह बजे की है। घटना की सूचना पुलिस के पास रात आठ बजे पहुंची। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हुई है। कंपू थाना प्रभारी अमर सिंह सिकरवार ने बताया कि थाना क्षेत्र के नया गांव रेलवे ट्रैक के पास एक युवक की लाश मिलने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो पता चला कि पास ही उसकी मोटरसाइकिल पड़ी हुई थी और उसकी पीठ में गोली लगी हुई है। इसका पता चलते ही पुलिस ने उसकी पहचान के प्रयास किए, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल पता नहीं चला है कि उसकी किसने और क्यों हत्या की है।

यह है मृतक का हुलिया

पुलिस पड़ताल में पता चला है कि उसकी उम्र करीब 24 से 25 साल के बीच होगी और उसने जींस, शर्ट और जैकेट पहनी हुई थी। उसकी जेब में उसकी पहचान का कोई दस्तावेज व मोबाइल नहीं मिला है। पुलिस को उसके पास से 140 रुपए मिले है।

जिले के साथ ही अन्य जिलों को सूचना- मृतक की पहचान के लिए अब पुलिस जिले के साथ ही अन्य जिलों को भी उसकी लाश मिलने की सूचना दी है। जिससे अगर उसकी कहीं गुमशुदगी होगी तो पहचान हो सके।

छात्रा को सड़क पर पीटा, कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया

दिनभर चला घटनाक्रम, छात्रा ने बार-बार बदले बयान

■ ग्वालियर

शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में एक छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। मामला दर्ज किए जाने से पहले नाटकीय घटनाक्रम चला। युवती ने पहले पुलिस को बताया कि उसे मोटरसाइकल सवार युवकों ने पहले टक्कर मारी और उसके बाद उसके साथ मारपीट की। इसको लेकर छात्रा पहले पड़ाव थाने पहुंची, यहां से घटनाक्रम सिरौल का बताया गया और सिरौल थाने पहुंचा दिया गया। आखिर में पता चला कि छात्रा जो घटनास्थल बता रही है वह विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में आता है। यहां से युवती चिकित्सकीय परीक्षण के लिए मुरार चिकित्सालय भेज दिया। यहां पर युवती ने मारपीट के साथ ही दुष्कर्म की बात भी कही।

छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह सुबह 8:30 बजे घर से कोचिंग जाने के लिए निकली थी। जिलाधीश कार्यालय के पीछे वह पहुंची थी तभी मोटरसाइकिल से हर्ष पटेल अपने एक साथी के साथ आया। इसने उसे रोका और सिर में डंडा मार दिया। जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद वह अपने दोस्त के साथ कमरे में ले गया, यहां पर उसके साथ हर्ष पटेल ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के बाद सिर में बोतल मारी जिसकी वजह से वह बेहोश हो गई। इसके बाद वह उसे यहां से उठाकर स्कूटी के पास छोड़ आया, यहां पर उसे होश आया तो वह अपने घर पहुंची। घर पहुंचने के बाद उसने अपनी मां को घटनाक्रम बताया तब वह उसे लेकर पुलिस के पास पहुंची।

पहले भी दर्ज करा चुकी है मामला : पुलिस को यह भी पता चला है कि छात्रा हर्ष पटेल के खिलाफ पहले भी छेड़छाड़ का मामला दर्ज करा चुकी है। हर्ष ने पुलिस को बताया कि इस मामले में उनके साथ राजीनामा भी हुआ है। पुलिस इस सूचना की सच्चाई भी परख रही है।

पड़ोसी ने न्यायालय में दी धमकी तो वकीलों ने घेरा

तीन घंटे चला हंगामा

■ ग्वालियर

माधवगंज थाना क्षेत्र के जामदार खाना दर्जी ओली में महिला अभिभाषक द्वारा अपना मकान तोड़े जाने पर पड़ोसी ने न सिर्फ धमकी देकर एक लाख रुपए की मांग की बल्कि पथराव कर दिया जिससे एक व्यक्ति को चोट आई। जिस पर अभिभाषक अक्षिता सिंह पत्नी मनीष आनंद की शिकायत पर मंगलवार को माधवगंज थाना पुलिस ने हेमा शर्मा और उनके पुत्र धीरज, नीरज एवं सूरज शर्मा के खिलाफ विभिन्न धाराओं 119 (1), 125, 115(2), 296, 351 बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर दो भाइयों नीरज और धीरज को गिरफ्तार कर लिया।

इन दोनों को बुधवार को जिला न्यायालय में पेश किया तब जमानत आवेदन का विरोध करने

अक्षिता सिंह पत्नी मनीष आनंद सहित अन्य अभिभाषक इकट्ठा हो गए। न्यायालय में दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। तब तमाम वकील आरोपियों के खिलाफ एकजुट हो गए। ऐसे में न्यायालय परिसर में लगभग तीन घंटे तक हंगामा चलता रहा। किसी अप्रिय घटना की आंशका देख एसडीएम अतुल सिंह, एडिशनल एसपी अनु बेनीवाल, पुलिस अधिकारी एवं बड़ी संख्या में बल वहां आ गया। जिन्होंने सुरक्षा घेरा बनाकर दोनों आरोपियों को पुलिस वाहन में बैठाकर रवाना किया। अभिभाषक मनीष आनंद का कहना है कि इनके हमले में टाइपिस्ट दीपक डाबर जख्मी हो गया और न्यायालय में इन्होंने गोली मारने की धमकी दी इसलिए विवाद हुआ।

68 सफाई मित्रों को दिया प्रशिक्षण

ग्वालियर। महिला सफाई मित्रों के लिए हेल्थ हाइजीन एंड प्रिकाशनरी मेजर्स ड्यूरिंग द सैनिटेशन वर्क विषय पर क्षमतावर्धन कार्यशाला के दूसरे दिन हिमालयन इंस्टीट्यूट फॉर एनवायरनमेंट, इकोलॉजी एंड डेवलपमेंट (हाईफीड) द्वारा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर 68 सफाई मित्रों को प्रशिक्षण दिया गया। बाल भवन के सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में इंस्टीट्यूट की प्रशिक्षिका मीनू चौहान द्वारा हेल्थ हाइजीन के संबंध में प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। उन्हें दूषित पानी पीने से होने वाले नुकसान के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि संदीप सोनी ने प्रतिभागियों को कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरणों की जानकारी दी गई। उन्हें सिर, आंख, श्वसन तंत्र, फेफड़ों के स्वास्थ्य व सुरक्षा के बारे में बताया गया। इस कार्यशाला में ग्वालियर नगर निगम के मेंटी शहर डबरा नगर पालिका की 10 महिला स्वच्छता मित्रों को क्षमतावर्धन के लिए आमंत्रित किया गया था।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में झूठी आपत्तियों से बीएलओ परेशान

कांग्रेस ने लगाए टारगेट कर नाम काटने के आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

■ ग्वालियर

जिले में चल रहे निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत नो-मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई और आमजन की आपत्तियों का निराकरण किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में फार्म-7 के माध्यम से आपत्तियां दर्ज कराई जा रही हैं, लेकिन जांच में सामने आ रहा है कि कई आपत्तियां झूठी और तथ्यहीन हैं। इससे पुनरीक्षण कार्य में लगे बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) भी असमंजस और दबाव की स्थिति में नजर आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जब बीएलओ द्वारा दर्ज आपत्तियों की मौके पर जांच की जा रही है, तो कई मामलों में यह स्पष्ट हो रहा है कि संबंधित मतदाता न तो मृत हैं और न ही स्थानांतरित, बावजूद इसके उनके नाम हटाने के लिए आपत्तियां दर्ज की गई हैं। इससे निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इधर, कांग्रेस पार्टी ने इस पूरे मामले को लेकर जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के जिला निर्वाचन प्रभारी देशराज भार्गव ने प्रशासन को लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान कांग्रेस समर्थित परंपरागत मतदाताओं को जानबूझकर लक्षित किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि बीएलओ और वीएलओ पर दबाव बनाकर फार्म-7 के माध्यम से गलत और अवैध आपत्तियों के आधार पर नाम कटवाए जा रहे हैं।

शिकायत में भितरवार विधानसभा क्षेत्र के मोहना कस्बे का विशेष उल्लेख करते हुए कहा गया है कि मुस्लिम बाहुल्य बस्तियों में रहने वाले कांग्रेस विचारधारा से जुड़े मतदाताओं को निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि बिना समुचित सूचना और सुनवाई के मतदाता सूची से नाम हटाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है और इससे निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया प्रभावित होगी। कांग्रेस ने दावा किया है कि इस तरह की शिकायतें पूरे ग्वालियर जिले से सामने आ रही हैं। पार्टी ने निर्वाचन प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने और मतदाताओं के मताधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए किया प्रेरित

विज्ञान महाविद्यालय में स्टार्ट-अप पर सेमिनार आयोजित

■ ग्वालियर

विज्ञान महाविद्यालय में 'स्टार्ट-अप इन इंडिया' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उद्यमिता और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. राजश्री मिश्रा ने बताया कि 'स्टार्ट-अप इन इंडिया' भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य नवाचार, उद्यमिता और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में जहां देश में मात्र 500 स्टार्ट-अप थे, वहीं 2025 तक इनकी संख्या बढ़कर लगभग दो लाख हो चुकी है, जिनमें जोमैटो, स्विग्गी और भारतपे जैसे स्टार्ट-अप शामिल हैं।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि स्टार्ट-अप्स को कर छूट, आसान पंजीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकारों में सहायता और सरकारी फंडिंग जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। कार्यक्रम का संचालन कर रहीं डॉ. चंदना जैन ने कहा कि यह पहल देश को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रही है।

एचसीएल कंपनी से आए पुष्पेंद्र कौरव ने निःशुल्क प्लेसमेंट योजना की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. नीतू गोस्वामी, डॉ. आरती चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्यवसायी से लूट का खुलासा, चार पकड़े, पड़ोसी दुकानदार निकला सूत्रधार

सिपाही सहित दो से भी कट्टे की नोक पर की थी लूट

■ ग्वालियर

महाराजपुरा थाना क्षेत्र में छह दिन पहले हुई व्यवसायी से लूट की घटना का खुलासा कर वारदात को अंजाम देने वाले चार लुटेरों को पकड़ा है। वारदात का सूत्रधार पड़ोसी दुकानदार था और उसने अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। घटना के समय वह तथा उसका एक अन्य साथी, वारदात को अंजाम दे रहे बदमाशों के पीछे चल रहा था। पुलिस ने लूटे गए रुपयों में से बारह हजार रुपए बरामद कर कट्टा भी जब्त कर लिया है। मोबाइल को बदमाशों ने नाले में फेंक दिया था, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। साथ ही खुलासा हुआ है कि इन्हीं बदमाशों ने एक पुलिस जवान सहित एक अन्य के साथ भी लूट की थी। पुलिस अब इनसे पूछताछ के बाद अन्य घटनाओं का खुलासा करने में जुट गई है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमन गुर्जर ने बताया कि 14 जनवरी की रात मालनपुर से दुकान बंद कर वापस घर डीडी नगर

राजा बेग है मास्टर माइंड

पुलिस जांच में पता चला है कि लूट का सूत्रधार राजा बेग है और इसकी प्रदीप के बगल में ही पंचर की दुकान है। घटना से पांच दिन पहले इसका झगड़ा प्रदीप से हुआ था और इसके बदला लेने के लिए दोस्तों के साथ मिलकर वारदात का तानाबाना बुना था। हो सकता है अन्य घटनाओं का खुलासा एसएसपी धर्मवीर सिंह का कहना है कि पकड़े गए बदमाश काफी शातिर है और पूछताछ के बाद इनसे अन्य घटनाओं का खुलासा हो सकता है।

वापस आ रहे कारोबारी प्रदीप शर्मा को होण्डा मोटरसाइकिल से आए दो बदमाशों ने टेकनपुर का पता पूछने के बहाने रोका और स्कूटी रोकते ही बदमाशों ने उन पर कट्टा अड़ाया और उनसे 32 हजार रुपए, मोबाइल और स्कूटी की चाबी छीन ले गए थे। वारदात का शिकार पीड़ित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच व महाराजपुरा थाना पुलिस को मामले की जांच की जिम्मेदारी दी और डीएसपी क्राइम नागेन्द्र सिंह के नेतृत्व में दो पुलिस टीम क्राइम ब्रांच व महाराजपुरा थाना पुलिस की लगाई। पुलिस टीम को सीसीटीवी और मोबाइल सर्विलांस के जरिए आरोपियों का सुराग लगा था।

पुलिस पकड़ में आए बदमाशों से पूछताछ की तो उनकी पहचान राजा बेग निवासी सिहोनिया मुरैना हाल मालनपुर भिंड, सोनू उर्फ इब्राहिम शाह निवासी सुभाष नगर इमामबाड़े के पास राम जी की पुलिया, रिजवान शाह निवासी सरकारी टी ब्लॉक जी-4 महलगांव और सलमान शाह निवासी काली माता मंदिर के ऊपर रामाजी का पुरा के रूप में हुई है। वहीं पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने इनसे एक 315 बोर का कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक होंडा शाइन मोटर सायकिल, लंच बॉक्स, दुकान की चाबी और 12 हजार रूपए बरामद किए है।

जवान से की थी लूट

पुलिस पूछताछ में पता चला है कि पकड़े गए बदमाशों ने 16 जनवरी को बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के सेवन हिल्स रिसोर्ट के पास आईजी ऑफिस में पदस्थ जवान धर्मेन्द्र सिंह से कट्टा अड़ाकर पर्स लूटा था, जिसमें 750 रुपए, दो एटीएम कार्ड व अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे थे। वहीं इन्हीं बदमाशों ने पुरानी छावनी इलाके में एक चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

युवती की घर में घुसकर हत्या पुलिस को पड़ौसी की तलाश

■ ग्वालियर

गिरवाई थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर हुई युवती की गला रेतकर हत्या मामले में अब पुलिस को उसके पड़ौसी समीर कुशवाह की तलाश है। इसके बारे में पता चला है कि वह मृतक युवती से प्रेम करता था और उसके घर के सामने ही रहता था। वारदात के बाद से ही यह गायब है। वह मृतका के मंगेतर को भी शादी न करने के लिए धमका चुका था। अब पुलिस को पता लगा है कि मंगलवार दोपहर 2 बजे उसे आखिरी बार देखा गया था। तभी से वह फरार है। जब पुलिस उसके घर पहुंची तो उसका मोबाइल उसके बड़े भाई पर मिला है। बड़े भाई ने बताया है कि समीर उसे मोबाइल देकर कहीं चला गया है। पुलिस समीर की तलाश कर रही है और संभावना है कि उसके हाथ लगते ही इस हत्याकांड का खुलासा हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीते रोज गिरवाई थाना क्षेत्र के छोटे बाबा की पहाड़िया निवासी 24 वर्षीय निशा कुशवाह की अज्ञात बदमाशों ने उसके घर में घुसकर पहले गला रेता और फिर उसके सिर पर पत्थर पटककर हत्या की थी। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पड़ताल के बाद हत्या का मामला दर्ज कर लिया।

मंगेतर को भी धमकाया था

मामले का पता चलते ही निशा का मंगेतर भी वहां पर पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसकी सगाई होने के बाद समीर ने उसे धमकाया था कि निशा से शादी न करे, नहीं तो वह उसकी जान ले लेगा।

सिंगल क्लिक से मल्टीपल बिजली कनेक्शनों के बिल भुगतान की सुविधा शुरू

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट, शासकीय एवं अशासकीय क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए मल्टीपल बिजली कनेक्शनों के बिल भुगतान को आसान बनाने के उद्देश्य से समेकित भुगतान प्रणाली शुरू की गई है। इस प्रणाली के माध्यम से उपभोक्ता एक ही क्लिक में अपने सभी बिजली कनेक्शनों के बिलों का भुगतान कर सकेंगे। कंपनी के अनुसार यह सुविधा नगर निगम, मध्यप्रदेश व भारत सरकार के उपक्रमों, सरकारी व निजी बैंकों, निजी बीमा कंपनियों, दूरसंचार कंपनियों सहित उन सभी उपभोक्ताओं के लिए उपयोगी है, जिनके एक से अधिक बिजली कनेक्शन हैं। कंपनी कार्यक्षेत्र में ऐसे मल्टीपल कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं की संख्या ढाई हजार से अधिक बताई जा रही है। समेकित भुगतान प्रणाली से उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर लंबित बिलों की जानकारी, भुगतान विवरण और बिल डाउनलोड की सुविधा मिलेगी। इससे जहां भुगतान में लगने वाला समय बचेगा, वहीं कंपनी को भी समय पर राजस्व प्राप्त होगा।

भाजपा ने प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर किया नमन

हेमू कालानी का बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत

■ ग्वालियर

मां भारती के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर अपना जीवन बलिदान करने वाले युवा क्रांतिकारी हेमू का बलिदान सभी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है, युवाओं को ऐसे वीर बलिदानी महापुरुषों का जीवन चरित्र आत्मसात कर राष्ट्रसेवा के पथ पर बढ़ना चाहिए। यह बात भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया ने अमर बलिदानी हेमू कालाणी के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही। महाराज बाड़ा स्थित हेमू कालाणी प्रतिमा स्थल पर आयोजित इस कार्यक्रम में सिन्धी समाज के प्रमुखजनों के अलावा कई राजनेताओं ने हेमू कालाणी को श्रद्धासुमन अर्पित

किए। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में राजेश वाधवानी, अनिल सांखला, श्रीचंद पंजाबी, हासानन्द आहूजा, कनवर मंगलानी,जय जैसिंघानी, सुरेश केलवानी, डीपी भूरानी, बीआर ज्ञानानी, भीष्म पमनानी, अनिल आहूजा, निर्मल बहिरानी, मदन बत्रा, अमित कुकरेजा, मुकेश वासवानी, सुधीर गुप्ता, शंकरलाल कारड़ा, गोपाल गंगिल, मोहित जाट, रमेश रूपानी, रमेश खेमानी, दिलीप हुंदवानी, धीरज ढींगरा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। अमर बलिदानी हेमू कालानी के बलिदान दिवस पर भारतीय सिन्धु सभा ग्वालियर की युवा इकाई ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

31 युवाओं ने किया रक्तदान

खासगी बाजार स्थित सिन्धी धर्मशाला में युवाओं द्वारा रक्तदान किया। इस अवसर पर राजेश वाधवानी ने कहा कि रक्तदान वास्तव में महादान है। स्वस्थ्य मनुष्य को वर्ष में कम से कम दो बार तो रक्तदान करना ही चाहिए। इस मौके पर 31 युवाओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर अजय मोटवानी, सुनील बत्रा, हेमन्त दयानी, राजू बालानी, सुधीर जादवानी, मोनू कुकरेजा, योगेश सुखवानी, दुर्गेश आहूजा आदि शामिल रहे।

आज सात वार्डों में लगेंगे समाधान शिविर

ग्वालियर। संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत केंद्र एवं मध्य प्रदेश शासन की 106 योजनाओं का लाभ आमजन को दिलाने के उद्देश्य से गुरुवार को वार्ड क्रमांक तीन, चार, आठ, नौ, 13, 16 व 32 में शिविर आयोजित किए जाएंगे। अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर ने बताया कि गुरुवार को वार्ड तीन के लिए राजीव गांधी सामुदायिक भवन, वार्ड चार के लिए चंदन नगर कोटेश्वर, वार्ड आठ के लिए नरसिंह नगर श्मशान रोड, वार्ड नौ के लिए कैथ वाली बगिया, वार्ड 13 के लिए क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक चार, वार्ड 16 के लिए रेशम मिल एवं वार्ड 32 के लिए सामुदायिक भवन लक्ष्मीबाई कालोनी में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

कुलगुरु डॉ. शुक्ला ने किया औचक निरीक्षण, बदहाली पर हुए नाराज

■ ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने महाविद्यालय व छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास की बदहाल व्यवस्थाएं सामने आते ही कुलगुरु का पारा चढ़ गया और उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की।

छात्रावास परिसर में गंदगी फैली मिली, कमरों के भीतर छात्रों द्वारा वाहन खड़े पाए गए और कई स्थानों पर टूटी कुर्सियां व बिखरा सामान नजर आया।

इसके अलावा बिजली के बोर्ड भी टूटे पड़े हुए थे। इस पर कुलगुरु

ने अव्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त कराने के साथ ही दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद कुलगुरु ने विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर अध्ययन सुविधाओं की जानकारी ली और ई-लाइब्रेरी के उपयोग पर जोर दिया। डॉ. शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय की ई-लाइब्रेरी छात्रों के लिए एक सशक्त संसाधन है, जिसका पूरा लाभ उठाया जाना चाहिए। निरीक्षण के अंत में कुलगुरु ने डीन डॉ. वाय. पी. सिंह को लाइब्रेरी को और अधिक आधुनिक, सुविधाजनक और छात्र-अनुकूल बनाने के निर्देश दिए, ताकि अध्ययन का बेहतर माहौल सुनिश्चित हो सके।

मंत्र भारत
ग्वालियर -शुक्रवार,23 जनवरी 2026

सम्पादकीय

शिक्षित लोग क्यों चुनते हैं आतंक की राह

आतंकवाद को अक्सर गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक बहिष्कार का परिणाम माना जाता है। लेकिन भारत सहित दुनिया भर के अनुभव बताते हैं कि यह पूरी सच्चाई नहीं है। हाल के वर्षों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें उच्च शिक्षित और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित लोग आतंकवादी गतिविधियों में शामिल पाए गए। अल-फलाह विश्वविद्यालय से जुड़े चिकित्सकों का मामला इसी असहज वास्तविकता की ओर संकेत करता है। प्रश्न उठता है कि शिक्षा, जो विवेक और समझ विकसित करने का माध्यम मानी जाती है, कभी-कभी चरमपंथ को रोकने में क्यों विफल हो जाती है? शिक्षा अपेक्षाएं बढ़ाती है। जब ये अपेक्षाएं सीमित अवसरों, संस्थागत अव्यवस्था या व्यक्तिगत असफलताओं से टकराती हैं, तो निराशा तीव्र हो जाती है। पुलिसिंग के अनुभव से यह स्पष्ट है कि सापेक्ष वंचना, यानी जो मिलना चाहिए था और जो मिला, उसके बीच का अंतर, अक्सर पूर्ण गरीबी से अधिक प्रभावी होता है। शिक्षित व्यक्ति असफलता को भाग्य नहीं, अन्याय के रूप में देखने लगता है। विश्वविद्यालय और पेशेवर संस्थान कौशल तो सिखाते हैं, लेकिन सोहबत और उद्देश्य प्रदान करने में अक्सर पीछे रह जाते हैं। घर से दूर, परिचित सामाजिक-सांस्कृतिक ढांचे से बाहर काम कर रहे युवा पेशेवर अकेलेपन का अनुभव कर सकते हैं। ऐसे समय में संगठित वैचारिक समूह-धार्मिक हों या राजनीतिक-स्पष्टता, पहचान और उद्देश्य देते हैं। वे व्यक्तिगत असमंजस को सामूहिक मिशन में बदल देते हैं। एक कम चर्चित पहलू यह भी है कि शिक्षा तर्कशक्ति को तेज करती है लेकिन नैतिक संयम अपने-आप नहीं देती। उच्च शिक्षा में सिखाए गए औजार- तर्क, अमूर्तन और प्रणालीगत सोच, हिंसा को चुनौती देने के लिए भी उपयोगी हैं और उसे सही ठहराने के लिए भी। चरमपंथी विचारधाराएं सुव्यवस्थित कथानकों पर आधारित होती हैं, जिनमें हिंसा को आवश्यक, रक्षात्मक या नैतिक रूप से श्रेष्ठ बताया जाता है। शिक्षित व्यक्ति ऐसे तर्कों को अधिक कुशलता से आत्मसात कर सकता है। यह अज्ञान नहीं, बल्कि बुद्धि का दुरुपयोग है। संगठनात्मक दृष्टि से शिक्षित पेशेवर आतंकवादी नैटवर्क के लिए उपयोगी होते हैं। ऐसे नैटवर्क भी किसी जटिल संगठन की तरह काम करते हैं-उन्हें वित्त, लॉजिस्टिक्स, तकनीकी दक्षता और विश्वसनीयता चाहिए। डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासक ये सब प्रदान करते हैं। उनकी मौजूदगी नैटवर्क को क्षमता देती है और गंभीरता का संकेत भी। यही कारण है कि विभिन्न क्षेत्रों में चरमपंथी संगठन पेशेवरों की सक्रिय भर्ती करते रहे हैं। संस्थागत कमजोरियां इस खतरे को बढ़ाती हैं। विश्वविद्यालय और पेशेवर निकाय सुरक्षा एजेंसियां नहीं हैं और उन्हें होना भी नहीं चाहिए लेकिन कमजोर प्रशासन, अपर्याप्त पृष्ठभूमि जांच और सीमित मार्गदर्शन ऐसे ब्लाइंडस्पॉट सृजित करते हैं, जिनका दुरुपयोग संभव है। जब संस्थान केवल डिग्री और परिणाम पर केंद्रित रहते हैं और नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी तथा छात्र-कल्याण को गौण मानते हैं, तो प्रारंभिक चेतावनी संकेत अनदेखे रह जाते हैं। राजनीतिक संदर्भ इस प्रक्रिया को पूरा करता है। जब लोगों को लगता है कि शिकायतों के समाधान, सहभागिता या सुधार के वैध रास्ते प्रभावी नहीं हैं, तो कुछ लोग, गलत निष्कर्ष पर पहुंचते हुए, द्धहसा को ही विकल्प मान लेते हैं। शिक्षा इस असंतोष को और तीखा कर सकती है क्योंकि वह यह भी दिखाती है कि व्यवस्था कैसी होनी चाहिए और वह यह भी कि वह कितनी दूर वैसी नहीं होती। वास्तव में, दीर्घकाल में शिक्षा द्धहसा के विरुद्ध सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है, लेकिन शिक्षा अपने-आप में अधूरी है। ज्ञान के साथ नैतिक प्रशिक्षण, पेशेवर मार्गदर्शन और आगे बढ़ने के विश्वसनीय अवसर भी आवश्यक हैं। पुलिसिंग से सीख रू पुलिस के दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि कट्टरपंथ अक्सर खुले टकराव से नहीं, बल्कि संस्थागत खाली जगहों से पनपता है। प्रारंभिक संकेत-अलगाव, अचानक वैचारिक कठोरता, सामाजिक विच्छेदन अपराध नहीं होते, लेकिन चेतावनी अवश्य होते हैं। सुरक्षा एजेंसियों, शैक्षणिक संस्थानों और पेशेवर निकायों के बीच सीमित, नियमबद्ध और गैर-दमनकारी संवाद की आवश्यकता है। समय रहते मार्गदर्शन और हस्तक्षेप होना चाहिए। जो विश्वविद्यालय डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासक तैयार करते हैं, उन्हें स्वयं को केवल डिग्री देने वाली फैक्ट्रियां नहीं, बल्कि नागरिक संस्थान मानना होगा। अन्यथा जोखिम यह नहीं है कि बड़ी संख्या में लोग कट्टरपंथी बन जाएंगे, बल्कि यह है कि कुछ अत्यधिक कुशल लेकिन सामाजिक रूप से अलग-थलग व्यक्ति, हिंसक विचारधाराओं को बुद्धि और दक्षता प्रदान कर देंगे। यह चुनौती केवल सुरक्षा एजेंसियों की नहीं, बल्कि संस्थानों, नीति-निर्माताओं और समाज सभी की है और इसे नजरअंदाज करना महंगा पड़ सकता है।

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति: ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा ढकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है। ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो। भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा।

अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा ढकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है। ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं।

सेवानिवृत्ति पर सुनीता विलियम्स का बड़ा संदेश

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स इन दिनों भारत दौरे पर हैं। 22 से 25 जनवरी तक चलने वाले केरल साहित्य महोत्सव में शामिल होने के लिए सुनीता देश आई हुई हैं। 20 जनवरी को सुनीता विलियम्स ने दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में श्आंखें सितारों पर, पैर जमीं परश सेमिनार में हिस्सा लिया, इस दौरान उन्होंने एक अहम बात कही कि इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सुनीता विलियम्स की यह बात उन तमाम सरकारों और अंतरिक्ष को अपने कारोबार का हिस्सा बनाने वाले धनपशुओं को सुननी चाहिए, जिनके लिए अंतरिक्ष भी धन कमाने और दुनिया पर दबदबा बनाने का जरिया बन गया है। जबकि शोध और अनुसंधान के नाम पर इस ब्रह्मांड से खिलवाड़ का हक उन्हें नहीं है।सुनीता विलियम्स का यह दौरा भारत के लिए खुशी का अवसर है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां समूची मानवता को गौरवान्वित करने वाली हैं ही, देश इस बात पर और गर्व कर सकता है कि सुनीता विलियम्स की जड़ें भारत से जुड़ी हैं। खास बात ये है कि सुनीता विलियम्स ऐसे वक्त भारत आई हैं, जब नासा से उनकी सेवानिवृत्त होने की सूचना आई है। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा में 27 साल की सेवाएं देने के बाद 27 दिसंबर, 2025 को सुनीता विलियम्स सेवानिवृत्त हुई हैं। उनका अंतिम मिशन मार्च 2025 में पृथ्वी पर लौटने के साथ पूरा हुआ। इसके बाद उन्होंने यह फैसला लिया कि अब नयी पीढ़ी के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रास्ता खोलने का समय आ गया है। सुनीता का कहना है कि अंतरिक्ष उनका श्सबसे पसंदीदा स्थान्य रहा है, लेकिन अब चांद और मंगल की ओर बढ़ते मानव मिशनों में उनकी भूमिका एक प्रेरणा के रूप में रहेगी।एक अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सुनीता विलियम्स का जीवन साहस, भरोसे और वैज्ञानिक समर्पण की मिसाल है। उनका रिटायरमेंट किसी डर का नतीजा नहीं, बल्कि एक गौरवशाली अध्याय के सम्मानजनक समापन की कहानी है। यहां डर की बात इसलिए कही गई है क्योंकि डेढ़ साल पहले जून 2024 में जब महज 8 दिनों के मिशन पर सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुईं तो 8 दिन करीब 9 महीनों तक खिंच गए। लेकिन धरती के पार अंतरिक्ष में बैठी सुनीता विलियम्स ने अद्भुत हिम्मत के साथ इस मिशन को भी पूरा किया। यह स्टारलाइनर का पहला क्रू मिशन था और इसे एक टेस्ट फ्लाइट के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन तकनीकी खराबियों के चलते मिशन तय समय पर पूरा नहीं हो सका। हालात ऐसे बने कि स्टारलाइनर बिना क्रू के वापस लौट आया और सुनीता विलियम्स को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ही रुकना पड़ा। इस दौरान सोशल मीडिया और कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में श्फंसश गई हैं। अंग्रेजी वेबसाइट एनडीटीवी के साथ बातचीत में जब उनसे इस बारे में पूछा गया कि क्या उन्होंने खुद को फंसा हुआ महसूस किया, तो उन्होंने साफ कहा, श्मैं खुद ऐसा महसूस नहीं करती। मुझे प्रक्रिया पर पूरा भरोसा हैश हम स्पेसक्राफ्ट कैसे बनाते हैं, कैसे लॉन्च करते हैं और कैसे फैसले लेते हैं।श नासा के मुताबिक स्टारलाइनर मिशन में आई दिक्कतें भविष्य के कमर्शियल स्पेस मिशनों के लिए अहम सबक साबित हुईं। खुद सुनीता ने कहा कि वे पहले से जानती थीं कि यह एक टेस्ट फ्लाइट है और इसमें दिक्कतें आ सकती हैं। ऐसे में आईएसएस क्रू का हिस्सा बनना योजना का ही हिस्सा था।सुनीता विलियम्स की केवल यही उपलब्धि नहीं है, बल्कि उनके नाम कई और रिकॉर्ड भी शामिल हैं। 1998 में नासा के लिए चुनी गईं सुनीता विलियम्स ने तीन स्पेस मिशन में कुल 608 दिन अंतरिक्ष में बिताए, जो किसी भी नासा अंतरिक्ष यात्री के लिए दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने इस दौरान 9 स्पेसवॉक किए, जिनकी कुल अवधि 62 घंटे 6 मिनट रही। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री द्वारा किया गया सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। वे अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली दुनिया की पहली इंसान भी बनीं हैं। इसके साथ ही सुनीता विलियम्स आईएसएस की कमांडर भी रहीं जिसका मौका बहुत कम महिलाओं को मिला है।नासा के प्रशासक जेरेड आइजकमैन ने सुनीता विलियम्स की सेवानिवृत्ति पर कहा कि, श्सुनीता विलियम्स इंसानी स्पेसफ्लाइट में एक अग्रदूत रही हैं। विज्ञान और तकनीकी को आगे बढ़ाने में उनके काम ने चांद पर आर्टेमिस मिशन और मंगल की ओर बढ़ने की नींव रखी है। उनकी असाधारण उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने, उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती रहेंगी।श जेरेड आइजकमैन की ये बात शब्दशरू सही है। सुनीता विलियम्स से पहले कल्पना चावला ने भी भारत का नाम रौशन किया था। वे अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं।

ईरान में नरसंहार और वैश्विक दोहरे मापदंडों की सड़ांध

बलबीर पुंज

ईरान में हालिया नरसंहार किसी आकस्मिक राजनीतिक उथल-पुथल का नतीजा नहीं है। यह एक सुनियोजित, वैचारिक और मजहब आधारित सतत हिंसा का विस्तार है, जो कभी समाप्त नहीं होती। इस त्रासदी में अधिक भयावह वह वैश्विक चुप्पी है, जिसे अक्सर मानवाधिकार, लोकतंत्र और अंतरात्मा की दुहाई देने वाला कुटिल वर्ग जानबूझकर साधे रहता है। इस मामले में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की प्रतिक्रिया भी उसी वैश्विक पाखंड का हिस्सा है। दुनिया के सबसे ताकतवर पद पर बैठा व्यक्ति यदि हर अंतर्राष्ट्रीय संकट को सौदेबाजी और तात्कालिक लाभ के चश्मे से देखे, तो उससे नैतिकता की अपेक्षा करना स्वयं को धोखा देना है। ईरान में गिरती लाशों पर ट्रम्प के वक्तव्य न तो संवेदनशील हैं, न ही उनमें लोकतंत्र बहाली का कोई संकल्प दिखता है-यदि कुछ है, तो वह केवल स्वार्थ है। निहत्थे ईरानी जिस साहस के साथ इस्लामी तानाशाही के विरुद्ध खड़े रहे, वह आधुनिक इतिहास का एक करुण और गौरवपूर्ण अध्याय है। 17 जनवरी को स्वयं सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा यह स्वीकार करना कि इस्लामी शासन-विरोधी प्रदर्शनों में कई हजार लोग मारे जा चुके हैं, वह मजहबी रक्तपात की भयावहता का एक और प्रतिरूप है। लेकिन मूल प्रश्न यह है कि जब मुसलमानों की हत्या किसी इस्लामी शासन के हाथों होती है, तब एक विशेष संगठित आक्रोश कहां गायब हो जाता है? गाजा में इसराईली सेना द्वारा मुसलमानों की मौतों और कश्मीर में मोदी सरकार के आतंकवाद-अलगाववाद

विरोधी अभियानों पर आसमान सिर पर उठा लेने वाला स्वयंभू बुद्धिजीवी कुनबा ईरान में मुसलमानों के नरसंहार पर मौन क्यों है? दरअसल, यह वही दोहरा मापदंड है, जिसने आज के नैतिक विमर्श को सड़ांध से भर दिया है। इस्लाम के नाम पर गैर-मुसलमानों से घृणा, उनके पूजास्थलों का विखंडन और हिंसा (हत्या सहित) सदियों से जारी मजहबी उपक्रम है, जिसे वर्षों से तथाकथित उदारवादियों द्वारा भ्रामक रूपी प्रतिक्रिया की आढ़ में जायज ठहराने का प्रयास किया जा रहा है। इसी में मुसलमानों के दमन और यहां तक कि उनके कत्ल पर इसी समूह द्वारा चुप्पी तब साध ली जाती है, जब हत्यारा हम-मजहबी या विशुद्ध इस्लामी शासनतंत्र हो। तब ऐसा व्यवहार किया जाता है, मानो मानवता को कोई चोट ही न पहुंची हो, मानो रक्त केवल रंग हो और करुणा सिर्फ वैचारिक विकल्प। इससे अधिक नैतिक पतन और बौद्धिक दरिद्रता और क्या हो सकती है? भारत में वामपंथियों, तथाकथित उदारवादियों और महिला अधिकार समूहों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। जो वर्ग छोटी-छोटी घटना (गाजा सहित) पर अक्सर सड़कों पर उतर आता है, वह ईरान में महिलाओं के दमन में असामान्य रूप से चुप है। यही नहीं, श्रीलंका, नेपाल और बंगलादेश में सत्ता-परिवर्तन का प्रयोग अपने देश में दोहराने की कामना करने वाले भी पूरी तरह शांत हैं। इस पाखंड के दो स्पष्ट कारण हैं। पहला-ईरान में मुस्लिम नरसंहार उस सुविधाजनक नैरेटिव के मुताबिक नहीं है, जिसमें हर अत्याचार का दोष अक्सर तथाकथित हिंदू फासीवाद, युद्धोन्मादी यहूदी या अमरीकी साम्राज्यवाद पर मढ़ा जाता है। दूसरा-ईरान में इस्लामी व्यवस्था का जन्म वामपंथियों और मुल्ला-मौलवियों के गठजोड़ से हुआ था। 5 दशक पहले मार्क्सवादी तूदेह पार्टी और अन्य वाम गुटों ने तत्कालीन ईरानी राजा मोहम्मद रजा पहलवी के विरुद्ध मजहबी आंदोलन में निर्णायक भूमिका निभाई थी। इसलिए वामपंथी समूह अपने सहयोग से स्थापित इस्लामी तंत्र की क्रूरता पर खामोश है।वर्ष 1978 तक ईरान एक आधुनिक और अपेक्षाकृत उदार समाज था। पहलवी का अधिनायकवादी शासन चरित्र से बहुत हद तक सैकुलर रहा, जिसमें महिलाओं को शिक्षा-मताधिकार प्राप्त था और सत्ता-अधिष्ठान मजहबी मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता था। पश्चिमी देशों से बढ़ती नजदीकी के कारण पहलवी के खिलाफ वामपंथियों ने इस्लामी कट्टरपंथियों से हाथ मिलाया और क्रांति के नाम पर जनता को यह विश्वास दिलाया कि इस्लामी शासन ही मुक्ति का मार्ग है। परिणाम वही हुआ, सत्ता पर मुल्ला-मौलवियों का कब्जा और काफिर-कुफ्र का सफाया। ईरान 1979 के बाद आग से निकलकर भट्ठी में जा गिरा। विश्वविद्यालय बंद हो गए, तो छात्र संगठन प्रतिबंधित और यहां तक कि वामपंथी विचारकों को जेलों में ठूंस दिया गया। महिलाओं को आधुनिक जीवन से बाहर निकालकर मजहबी पुलिस के माध्यम से मध्ययुगीन काल में धकेल दिया गया।

दोस्ती की लिखावट

निस्संदेह डिजिटल दौर के नशे में डूबी पीढ़ी वास्तविक रिश्तों से दूर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर छात्रों की लिखने की आदत भी छूटती जा रही है। लेखन हमारी मौलिक व सार्थक अभिव्यक्ति है और सेहत से भी जुड़ा है। पुरानी कहावत हैकृजिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन इंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026 आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है। दरअसल, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की सोच को विस्तार देना और उनकी लेखन कला को निखारना है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रतिभागी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतने पर छात्र को स्विट्जरलैंड के बर्न स्थित यूपीए हेड क्वार्टर का दौरा करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी नौ से पंद्रह साल के ही होने चाहिए। वे अपनी एंट्री अंग्रेजी व हिंदी में भी दे सकते हैं। प्रतिभागी अपने स्कूल के माध्यम से ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। निश्चित रूप से बच्चों में लिखने की घटती प्रवृत्ति के दौर में यह एक रचनात्मक प्रयास है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया स्क्रॉल करते बच्चे न केवल रचनात्मक लेखन से वंचित हो रहे हैं, बल्कि अपने दोस्तों से भी कटते जा रहे हैं, जिसका असर उनकी याददाश्त व सृजन क्षमता पर भी पड़ रहा है। एक समय था बच्चे डायरी लेखन व स्कूलों में कविता व लेख लिखने को खासे उत्सुक होते थे। दोस्तों के साथ खेल के मैदान और घर पर खेलना उन्हें शारीरिक व मानसिक स्तर पर स्वस्थ रखता था। लेकिन आज बच्चे ऑनलाइन खेलों में इतने मस्त हो जाते हैं कि उन्हें अपने असली दोस्तों का ख्याल ही नहीं रहता। वे जीवन की वास्तविक चुनौतियों से दूर होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, आज शारीरिक सक्रियता के अभाव के कारण बच्चे छोटी उम्र में ही वयस्कों जैसे रोगों के शिकार होते जा रहे हैं। ये रोग शारीरिक भी हैं और मानसिक भी हैं। छात्र अपना बचपन स्वाभाविक रूप से नहीं जी पा रहे हैं। सही मायनों में वे समय से पहले वयस्क होते जा रहे हैं। एक समय बच्चों की लेखन क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता था। परीक्षा में बाकायदा सुंदर लेखन के अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं। लेकिन आज बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध शॉर्टकट के जरिये हर परीक्षा पास करना चाहते हैं। कट-पेस्ट संस्कृति ने उनकी मौलिक सोच व सृजनात्मकता को ग्रहण लगा दिया। अक्सर छात्र प्रतियोगात्मक परीक्षाओं व लेखन प्रतिस्पधाओं में ऑनलाइन माध्यमों व इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री को हेर-फेर के साथ प्रस्तुत करते देखे जा रहे हैं, जो उन्हें व्यावहारिक जीवन की प्रतिस्पर्धा में कमजोर बनाता है। ऐसे में सीबीएसई व पोस्टल विभाग की पहल अनुकरणीय व प्रशंसनीय है।

समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई का प्रदर्शन,उल्टा टांगकर ले गई पुलिस

लखनऊ (संवाददाता)। हजरतगंज चौराहे पर समाजवादी छात्र सभा और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने जोरदार प्रदर्शन किया। मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों को तोड़ने और संभल मामले में सीजेआई के ट्रांसफर को लेकर हंगामा किया। पुलिस के साथ उनकी जमकर धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को घसीटकर बस में बैठा। कई प्रदर्शनकारियों को उल्टा टांगकर बस के अंदर ले गए। इस तैनात प्रदर्शनकारियों के कपड़े फट गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार को सनातन और संविधान विरोधी बताया। प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारी हाथ में संविधान की किताब लेकर पहुंचे। उस पर ताला लगा रखा था। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार को संविधान विरोधी बताया। संभल मामले में सीजेआई के ट्रांसफर को रद्द करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा यह संविधान विरोधी काम है। प्रदर्शनकारियों ने मणिकर्णिका घाट पर मूर्तियां तोड़ने का आरोप लगाते हुए सरकार से माफी मांगने की बात कही। इस दौरान प्रदेश सरकार मुदार्बाद के नारे लगाए।प्रदर्शन को देखते हुए हजरतगंज चौराहे पर 3 थाने की फोर्स के साथ आरआरएफ के जवान तैनात किए गए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में जमकर धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई।

बेटियों को जरूर सिखाएं ये पांच बातें, ताकि लड़कियां रहें सुरक्षित

राष्ट्रीय बालिका दिवस याद दिलाता है कि बेटियों को कमजोर नहीं, सजग बनाना है। उनकी सुरक्षा दीवारें खड़ी करने से नहीं, सोच मजबूत करने से होगी। बेटियों को खुशहाल और सुरक्षित रखना है तो ये बातें सिखाएं। बेटियों की सुरक्षा किसी भी परिवार के लिए सबसे बड़ा चिंता का विषय है। देश में महिला सुरक्षा के लिए कई तरीके के अभियान और प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि स्त्री अपराध घर से लेकर समाज के हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा और खुशहाली तय करने की पहली जिम्मेदारी परिवार की होती है। सिर्फ बेटियों की सीमाएं तय करके, या उनके लिए दीवारें खड़ी करके सुरक्षा नहीं जा सकती, इसके लिए सोच मजबूत बनाने की आवश्यकता होती है। बेटियों की सुरक्षा कोई एक दिन का नारा नहीं, रोज का संस्कार है। बालिकाओं के उज्जवल भविष्य, सुरक्षित समाज और खुशहाल जीवन की जरूरत को समझते हुए हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। बालिका दिवस हमें याद दिलाता है कि सशक्तिकरण की शुरूआत भाषणों से नहीं, घर की छोटी-छोटी सीख से होती है। अगर बेटियों को बचपन से सही बातें सिखा दी जाएं, तो वे केवल सुरक्षित ही नहीं, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भी बनती हैं।

बेटियों को सिखाएं ये 5 जरूरी बातें

ना कहना सिखाएं

सबसे पहली और सबसे जरूरी सीख है कि बेटियों को बिना डर और बिना अपराधबोध के ना कहना सिखाएं।

बेटियों को बताएं कि उनका शरीर उनका है।

अगर कोई असहज करे तो साफ ना कहना गलत नहीं

रिश्तेदार, दोस्त या जान-पहचान, कोई भी अपवाद नहीं

बेटियों को बताएं कि चुप रहना संस्कार नहीं, खतरा है।

अच्छे और बुरे स्पर्श का फर्क समझाएं

यह बात उम्र के हिसाब से, सरल भाषा में समझानी चाहिए।

कौन सा स्पर्श ठीक है और कौन नहीं

अगर कोई गलत छुए तो तुरंत बताना क्यों जरूरी है

डराने की बजाय भरोसे का माहौल बनाएं

याद रखें अगर बच्ची चुप है, तो शायद उसे सुना नहीं गया।

अजनबियों और ऑनलाइन दुनिया से सतर्क रहना सिखाएं

आज खतरा सिर्फ गली-मुहल्लों में नहीं, स्क्रीन के अंदर भी है।

अनजान लोगों से बात न करना

फोटो, लोकेशन या पर्सनल जानकारी शेयर न करना

कोई ऑनलाइन डराए या ब्लैकमेल करे तो तुरंत बताना

खुद पर भरोसा और आत्मरक्षा की आदत डालें

शारीरिक ताकत से ज्यादा जरूरी मानसिक मजबूती है। बेटी को आत्मरक्षा के साथ आत्मविश्वास भी सिखाएं।

जरूरत पड़े तो शोर मचाना

भीड़ में मदद मांगना

बेसिक सेल्फ-डिफेंस सीखना

आत्मरक्षा का मतलब लड़ना नहीं, खुद को बचाकर निकलना है।

भरोसेमंद लोगों की सूची बनवाएं

हर बच्ची को पता होना चाहिए,

मुसीबत में किसे फोन करना है।

घर, स्कूल या मोहल्ले में कौन सुरक्षित है

माता-पिता से कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं

जब बच्ची को भरोसा होता है, तभी वह सच बोल पाती है।

पारंपरिक भी, प्रोफेशनल भी, जानिए बसंत पंचमी के लिए सही ड्रेस कोड

बसंत पंचमी पर दफ्तर जा रही हैं तो अपने परिधान के जरिए त्योहार की झलक दे सकती हैं। हालांकि ऐसे परिधान अपनाएं जो पारंपरिक के साथ ही प्रोफेशनल लुक दें। वसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दृष्टि का उत्सव है। यह वह दिन है जब प्रकृति पीले रंग में खिल उठती है और मन में नई शुरूआत की लय बजने लगती है। मां सरस्वती का यह पर्व ज्ञान, सादगी और सौम्यता का प्रतीक है और यही भाव हमारे पहनावे में भी झलकना चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि अगर आप वसंत पंचमी 2026 के दिन दफ्तर जा रही हैं, तो पारंपरिक आस्था और प्रोफेशनल ड्रेस कोड के बीच संतुलन कैसे बनाएं? बहुत ज्यादा भारी कपड़े भी नहीं और बहुत साधारण भी नहीं, बस इतना कि आपका लुक कहे आज त्योहार है, लेकिन मैं अपने काम में उतनी ही गंभीर हूं। सच कहें तो ऑफिस फैशन में वही स्त्री सबसे प्रभावशाली लगती है, जो परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि गरिमा की तरह पहनती है। यहां दफ्तर जाने वाली कामकाजी महिलाओं के लिए वसंत पंचमी के बेहतरीन आउटफिट आइडियाज बताए जा रहे हैं।

पीला कुर्ता और पैंट

वसंत पंचमी पर दफ्तर जा रही हैं तो थीम के साथ स्टाइल को अपनाने के लिए पीले कुर्ता के साथ जींस कैरी कर सकती हैं। इसमें सादगी और आराम दोनों मिलता है। हल्का सरसों, मस्टर्ड या पेस्टल येलो कुर्ता ऑफिस के लिए सबसे सुरक्षित और सुंदर विकल्प है। इसे सफेद, क्रीम या बेज पैंट/पलाजो के साथ पहनें। यह लुक पारंपरिक भी है और प्रोफेशनल भी।

कॉटन या सिल्क-ब्लेंड साड़ी

अगर आप साड़ी पहनती हैं, तो वसंत पंचमी पर ऑफ-व्हाइट साड़ी पर पीला बॉर्डर या हल्की येलो साड़ी बेहतरीन रहेगी। बहुत भारी जरी से बचें। यह दिन दिखावे का नहीं, शालीनता का है। पीले रंग की फ्लोरल प्रिंट साड़ी भी अपना सकती हैं। परंपरा और आधुनिकता का मेल चाहती हैं तो वसंत पंचमी पर फ्यूजन वियर अपनाएं। येलो कुर्ता के साथ लॉन्ग जैकेट, या इंडो-वेस्टर्न ड्रेस जिसमें पीले रंग का टच हो यह आज की वर्किंग वुमन का आत्मविश्वासी लुक है। खासकर मीडिया, एजुकेशन और क्रिएटिव फील्ड में यह लुक खूब जंचता है।

पीला सूट

साधारण पीले सलवार सूट पर कंट्रास्ट दुपट्टा या फ्लोरल प्रिंट सूट जिसमें पीले रंग का टच हो, ये भी दफ्तर में पांपरिक परिधान में प्रोफेशनल स्टाइल को जोड़ सकता है।

कैंसर रोगियों के लिए राहत भरी खबर, भारत में लॉन्च हुई बेहद किफायती दवा

जाइडस लाइफसाइंसेज ने गुरुवार (22 जनवरी 2026) को बताया कि उसने भारत में कई तरह के कैंसर के इलाज के लिए एक बायोसिमिलर लॉन्च किया है। कंपनी ने बताया है कि उसने भारत में 'तिष्ठा' नाम से निवोलुमैब का दुनिया का पहला बायोसिमिलर लॉन्च किया है। बीते दो-तीन दशकों में जिन बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर सबसे ज्यादा दबाव बढ़ा है, कैंसर उनमें से एक है। इसे सिर्फ बढ़ती उम्र के साथ होने वाली बीमारी मानने की गलती न करें, युवा से लेकर बच्चे तक सभी इस रोग का शिकार पाए जा रहे हैं। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि खान-पान में गड़बड़ी, दिनचर्या की समस्या के अलावा कई पर्यावरणीय और आनुवांशिक स्थितियां भी इस जानलेवा रोग को बढ़ाती जा रही हैं। करीब एक दशक पहले तक माना जाता था कि कैंसर होने का मतलब मौत है, यानी अगर किसी को कैंसर हो जाता है तो उसे बचाया नहीं जा सकता। हालांकि मेडिकल साइंस में नवाचार और वैज्ञानिक खोजों के माध्यम से अब न सिर्फ इस रोग का समय पर पता लगाना आसान हो गया है, साथ ही अब लोग आसानी से ठीक भी हो रहे हैं। कैंसर के लिए कई प्रभावी दवाएं और थेरेपी उपलब्ध हैं जिससे इस बीमारी के खतरे को आसानी से कम किया जा सकता है। इसी क्रम में जाइडस ने मल्टीपल कैंसर के इलाज के लिए भारत में बायोसिमिलर लॉन्च किया है। दावा किया जा रहा है कि इससे आने वाले दिनों में कैंसर का इलाज और भी सस्ता हो सकता है।

पहले जान लीजिए बायोसिमिलर क्या है?

बायोसिमिलर, पहले से ही प्रयोग में लाई जाने वाली किसी ब्रांड नेम वाली दवाओं की ही तरह होती हैं। ये दवाएं जीवित स्रोतों (जैसे यीस्ट, बैक्टीरिया, या कोशिकाओं) से बनती हैं और ब्रांड वाली दवाओं की तरह ही काम भी करती हैं। अक्सर ये कम कीमत में उपलब्ध होती हैं। जाइडस लाइफसाइंसेज ने गुरुवार (22 जनवरी 2026) को बताया कि उसने भारत में मल्टीपल कैंसर के इलाज के लिए एक बायोसिमिलर लॉन्च किया है। कंपनी ने बताया है कि उसने निवोलुमैब दवा का दुनिया का पहला बायोसिमिलर लॉन्च किया है जिसे भारत में 'तिष्ठा' नाम से उतारा गया है। गौरतलब है कि निवोलुमैब एक इम्युनोथेरेपी ड्रग है जो शरीर के इम्यून सिस्टम को कैंसर सेल्स से लड़ने में मदद करती है। निवोलुमैब के 100 की कीमत 50,000 से एक लाख तक होती है।

एक चौथाई से भी कम होगी कीमत

अहमदाबाद स्थित दवा कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि तिष्ठा 100 और 40 डोज में उपलब्ध होगी, जिनकी कीमत क्रमशः 28,950 रुपये और 13,950 रुपये होगी। कंपनी ने बताया कि ये कीमतें अब तक की दवाओं की कीमतों का लगभग एक चौथाई हैं। जाइडस लाइफसाइंसेज के एमडी शरविल पी पटेल ने कहा, तिष्ठा के लॉन्च के साथ, हम मरीजों के जरूरत के आधार पर खास थेरेपी के जरिए इम्यूनो-ऑन्कोलॉजी तक पहुंच बढ़ा रहे हैं। हमारा लक्ष्य मरीजों को उनके पूरे इलाज के दौरान लगातार देखभाल देना है। कंपनी कैंसर रोगियों के लिए हाई-क्वालिटी बायोसिमिलर इम्यूनोथेरेपी की पहुंच आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे 5 लाख से ज्यादा मरीजो को फायदा होने की संभावना है।

बोतलबंद पानी में मिले जहरीले रसायन, सेहत के लिए हानिकारक; अब तक 700 से अधिक डीबीपीएस की पहचान

दुनिया के बड़े बोतलबंद पानी ब्रांडों में भी ऐसे रासायनिक तत्व पाए गए हैं, जो लंबे समय में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। ऐसे में बोतलबंद पानी को पूरी तरह सुरक्षित मानना उचित नहीं होगा। बोतलबंद पानी स्वास्थ्य और शुद्धता की गारंटी मानकर खरीदा जाता है, लेकिन नए वैज्ञानिक अध्ययन ने इस धारणा पर सवाल खड़े किए हैं। वाटर रिसर्च पत्रिका में प्रकाशित शोध के मुताबिक, दुनिया के बड़े बोतलबंद पानी ब्रांडों में भी ऐसे रासायनिक तत्व पाए गए हैं, जो लंबे समय में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। दुनिया भर में बोतलबंद पानी की खपत पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। लोग इसे सुविधा, स्वच्छता और सुरक्षित पीने के पानी के विकल्प के तौर पर देखते हैं।

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैरोलिना के रसायन और जैव-रसायन विभाग के शोधकताओं ने यह अध्ययन किया। शोध का उद्देश्य यह जानना था कि बोतलबंद पानी में केवल वे डीबीपीएस मौजूद हैं या नहीं, जिन पर नियम लागू हैं, या फिर ऐसे प्राथमिक और बिना-नियमबद्ध डीबीपीएस भी हैं, जिन्हें अब तक गंभीरता से नहीं परखा गया। इसके लिए 10 लोकप्रिय ब्रांडों का विश्लेषण किया गया और उनकी तुलना क्लोरामिनयुक्त नल के पानी से की गई। पानी को पीने योग्य बनाने के लिए क्लोरीन, क्लोरामाइन, क्लोरीन डाइऑक्साइड या ओजोन जैसे रसायनों से कीटाणुशोधन किया जाता है। यह प्रक्रिया पानी में मौजूद प्राकृतिक ऑर्गेनिक पदार्थों, ब्रोमाइड और आयोडाइड के साथ प्रतिक्रिया करके अनजाने में नए रासायनिक यौगिक बना देती है। इन्हें डाइसइंफेक्शन बाय-प्रोडक्ट्स यानी डीबीपीएस कहा जाता है। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने कुछ डीबीपीएस के लिए सीमा तय की है, लेकिन अब तक 700 से अधिक डीबीपीएस की पहचान हो चुकी है, जिनमें कई अत्यधिक विषैले माने जाते हैं।

बोतलबंद पानी को पूरी तरह सुरक्षित मानना उचित नहीं

बोतलबंद पानी को पूरी तरह सुरक्षित मान लेना सही नहीं होगा, लेकिन नल के पानी की तुलना में इसमें हानिकारक रसायन कम पाए जाते हैं। बदलती जीवनशैली और बढ़ती खपत के दौर में यह अध्ययन चेतावनी है कि शुद्ध पानी के दावों की वैज्ञानिक जांच और कड़े मानक समय की मांग हैं।

कैंसरजनक डीबीपीएस तक मौजूद

अध्ययन के अनुसार सभी जांचे गए बोतलबंद पानी ब्रांडों में डीबीपीएस मौजूद थे। इनकी मात्रा 0.01 से 22.4 माइक्रोग्राम प्रति लीटर के बीच रही, जबकि औसत मात्रा 2.6 माइक्रोग्राम पाई गई। चिंता की बात यह है कि कुछ अत्यधिक विषैले डीबीपीएस भी पाए गए। डिब्रोमोएसीटोनीट्राइल, जिसे कैंसरजनक माना जाता है, दो ग्रॉसरी ब्रांडों में पाया गया। हालांकि इसकी मात्रा कम थी, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे यौगिकों की मौजूदगी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक डिजाइनर ब्रांड जो केवल यूवी डिसइंफेक्शन वाले भूमिगत पानी के तौर पर बेचा जा रहा था, उसमें भी हिलोएसेटिक एसिड और क्लोरोफॉर्म पाए गए।

स्रोत और ब्रांड से बदलती है तस्वीर

शोध में सामने आया कि पानी के स्रोत के आधार पर डीबीपीएस की मात्रा में अंतर था। झरने और भूमिगत पानी वाले ब्रांडों में औसतन 0.6 माइक्रोग्राम प्रति लीटर डीबीपीएस पाए गए। शुद्ध पानी वाले ब्रांडों में यह मात्रा लगभग 1.2 माइक्रोग्राम प्रति लीटर रही, जबकि नामी और प्रीमियम ब्रांडों में औसतन 3.7 माइक्रोग्राम प्रति लीटर डीबीपीएस दर्ज किए गए।

बच्चों का पढ़ाई में नहीं लगता मन? बसंत पंचमी पर कराएं विशेष पूजा, मिलेगा मां सरस्वती का आशीर्वाद

बसंत पंचमी हिंदू धर्म का एक अत्यंत शुभ और महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व हर साल माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है और इसी दिन से बसंत ऋतु की शुरूआत मानी जाती है। बसंत को खुशहाली, नई ऊर्जा, हरियाली और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। सर्दी कम होने लगती है, पेड़ों पर नई कोपलें आती हैं और सरसों के खेत पीले फूलों से भर जाते हैं।

बसंत पंचमी का धार्मिक महत्व

बसंत पंचमी का दिन ज्ञान, विद्या, बुद्धि, संगीत और कला की देवी

मां सरस्वती को समर्पित होता है। मान्यता है कि इसी दिन मां सरस्वती का अवतरण हुआ था। इस कारण घरों, स्कूलों और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। विद्यार्थियों के लिए यह दिन खास माना जाता है। माना जाता है कि इस दिन की गई पूजा से पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है, याददाश्त मजबूत होती है और शिक्षा में सफलता मिलती है।

बच्चों के लिए विद्यारंभ संस्कार

लोकल 18 से बातचीत में पंडित दामोदर जोशी जी ने बताया कि बसंत पंचमी के दिन विद्यारंभ संस्कार कराना बहुत शुभ होता है। इस दिन छोटे बच्चों को पहली बार अक्षर ज्ञान कराया जाता है। उन्होंने बताया कि बच्चों को इस दिन ओम या अ लिखवाकर पढ़ाई की शुरूआत कराई जाती है। यह दिन शिक्षा की शुरूआत के लिए सबसे उत्तम माना जाता है और इससे बच्चों में ज्ञान, संस्कार और समझ का विकास होता है।

बसंत पंचमी पर पीले रंग का महत्व

बसंत पंचमी पर पीले रंग का विशेष महत्व होता है। पीला रंग बसंत ऋतु, खुशहाली और सकारात्मक सोच का प्रतीक है। इस दिन लोग पीले वस्त्र पहनते हैं। मां सरस्वती को पीले फूल, फल और मिठाइयाँ अर्पित की जाती हैं। पीला रंग ज्ञान और उजाले का प्रतीक माना जाता है। इसलिए सरस्वती पूजा में पीले रंग का विशेष स्थान होता है।

पीली चीजों का दान और पूजा सामग्री

पंडित जी के अनुसार, बसंत पंचमी के दिन पीली चीजों का दान करना भी बहुत शुभ माना जाता है। पूजा में इस्तेमाल की जाने वाली चीजें जैसे-

पीला चावल

बेसन के लड्डू

हल्दी या केसर

इनसे घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

सरस्वती मंत्र का महत्व

बसंत पंचमी के दिन और पढ़ाई शुरू करने से पहले सरस्वती मंत्र का जाप करना बेहद लाभकारी माना जाता है

मां शारदे नमस्तुभ्यं कश्मीरपुरवासिनि।

त्वामहं प्रार्थये नित्यं विद्यादानं च देहि में

इस मंत्र के नियमित जाप से विद्या, बुद्धि और एकाग्रता बढ़ती है। मान्यता है कि इससे मां सरस्वती की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

बसंत पंचमीः ज्ञान और नए आरंभ का पर्व

बसंत पंचमी सिर्फ एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि यह हमें नई शुरूआत करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह पर्व ज्ञान के महत्व को समझाता है और प्रकृति से जुड़ने का संदेश देता है।

इस दिन मां सरस्वती की पूजा, बच्चों का विद्यारंभ संस्कार और पीले रंग का महत्व हमें सिखाता है कि ज्ञान ही जीवन का सबसे बड़ा धन है।

किचन सिंक के पास रखी इन चीजों से बढ़ सकता है बैक्टीरिया, आज ही हटा दें

रसोईघर में सिंक के पास अक्सर कई चीजें रख दी जाती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनमें से कुछ आपकी सेहत के लिए खतरनाक भी हो सकती हैं? नमी और पानी की वजह से यहां फंगस, बैक्टीरिया और बदबू पनप सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप जानें कि सिंक के पास किन चीजों को रखना सुरक्षित नहीं है।

कार्डबोर्ड में रखे क्लीनर

सिंक के पास अक्सर सफाई का सामान रखा जाता है, जैसे क्लीनर। लेकिन जो क्लीनर कार्डबोर्ड डिब्बे में हैं, उन्हें सिंक के पास नहीं रखना चाहिए। नमी की वजह से क्लीनर जल्दी खराब हो सकते हैं और इसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बेहतर है कि इन्हें सूखी और हवादार जगह पर रखें।

जल्दी खराब होने वाला खाना

सिंक के पास फल, सब्जियां, ब्रेड या बेकरी आइटम्स रखना सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। नमी के कारण ये चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं और इनमें फंगस या बैक्टीरिया लग सकते हैं। ऐसा खाना खाने से पेट से जुड़ी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए इन्हें हमेशा कूल और ड्राय स्टोरेज में रखें।

धोए हुए बर्तन

धोने के बाद कई लोग बर्तनों को सिंक के पास उल्टा रख देते हैं। इससे बर्तनों में पानी जमा रहता है और बदबू आने लगती है। यह बैक्टीरिया और फंगस की वजह से होता है। बर्तनों को धोने के बाद अच्छी तरह सुखाकर सिंक से दूर किसी साफ जगह पर रखें।

लकड़ी की चीजें

लकड़ी का कटिंग बोर्ड, चमच, करछुल या अन्य लकड़ी की वस्तुएँ सिंक के पास रखना गलत है। नमी लकड़ी को जल्दी खराब कर देती है और फंगस लगने का खतरा रहता है। इसलिए लकड़ी की चीजों को इस्तेमाल करने के बाद अच्छी तरह सुखाकर रखें।

बिजली के उपकरण

मिक्सर, इलेक्ट्रिक केतली, ओवन जैसे बिजली के उपकरणों को सिंक के पास या नीचे रखना बहुत खतरनाक हो सकता है। नमी की वजह से उपकरण खराब हो सकते हैं और शॉर्ट सर्किट या हादसे का खतरा भी रहता है। इन उपकरणों को हमेशा सूखी और सुरक्षित जगह पर ही रखें।

इन छोटी-छोटी सावधानियों का ध्यान रखकर आप अपनी रसोई को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ बना सकते हैं।

शंकराचार्य का अपमान, नही सहेगा हिंदुस्तान, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में सपा ने लगाए पोस्टर

लखनऊ (संवाददाता)। प्रयागराज माघ मेले में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की पालकी रोके जाने को लेकर घटित घटना के विरोध में समाजवादी पार्टी (सपा) मैदान में उतर आई है। पार्टी कार्यालय के बाहर अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में समाजवादी छात्रसभा के पूर्व प्रदेश सचिव आशुतोष सिंह ने पोस्टर लगाया है। पोस्टर पर ह्यशंकराचार्य का अपमान, नही सहेगा हिंदुस्तान लिख कर समर्थन दिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। भाजपा को घेरने के लिए अखिलेश यादव कोई मौका नही चूक रहे हैं। अभी दो दिन पहले ही फोन पर शंकराचार्य से बात कर उनकी लड़ाई को आगे बढ़ाने की बात कही गई थी। इसी क्रम में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने शंकराचार्य से प्रयागराज माघ मेले में मुलाकात की थी। एक दिन पूर्व अखिलेश यादव ने बयान जारी कर कहा था कि यदि कोई अधिकारी शंकराचार्य से परिचय और प्रमाण-पत्र मांग रहा है, तो सनातन धर्म का इससे बड़ा अपमान कोई और नहीं हो सकता है।

'न्यूजीलैंड ने जितने रन बनाए, उससे ज्यादा मैंने सेल्फी दीं', कीवियों पर शशि थरूर का मजेदार तंज

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में खेले गए भारत-न्यूजीलैंड मुकाबले में भारत ने 48 रनों से शानदार जीत हासिल की, लेकिन मैच के साथ-साथ शशि थरूर का मजेदार ट्वीट भी सुर्खियों में रहा जिसमें उन्होंने लिखा कि न्यूजीलैंड के रन से ज्यादा उन्हें सेल्फी देनी पड़ीं। मैच में अभिषेक शर्मा की 84 रनों की ताबड़तोड़ पारी भारत की जीत की बड़ी वजह बनी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का आगाज नागपुर में हुआ। बुधवार को खेले गए पहले मैच में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 48 रनों से हराया। मैच जितना रोमांचक था, उससे ज्यादा चर्चा कांग्रेस सांसद शशि थरूर के ट्वीट ने बटोरी। उनका मजेदार अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शशि थरूर का मजेदार ट्वीट वायरल मैच देखने नागपुर पहुंचे शशि थरूर ने स्टेडियम का माहौल खुलकर एन्जॉय किया और इसके

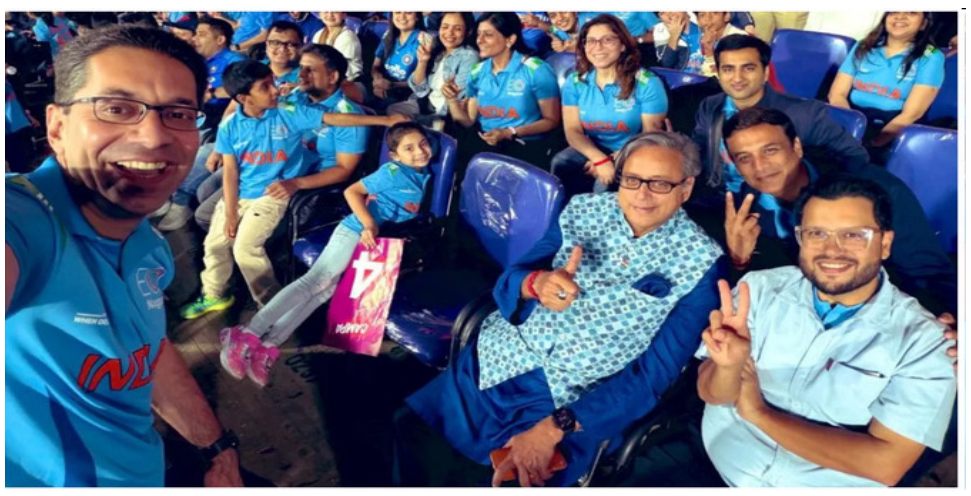

बाद उन्होंने एक मजेदार ट्वीट किया। थरूर ने लिखा, 'नागपुर दौरे को स्टेडियम में बैठकर भारत-न्यूजीलैंड के बीच टी20 मैच देखकर खत्म किया। मैं किसी एयर-कंडीशन्ड बॉक्स में नहीं बैठा, जो 45,000 दर्शकों के जोश और शोर से बिल्कुल अलग हो। न्यूजीलैंड ने जितने रन बनाए, उससे ज्यादा मुझे सेल्फी देनी पड़ीं, लेकिन मैच और जीत का पूरा मजा आया।' उनके इस ट्वीट पर फैंस ने जमकर रिएक्ट किया और कुछ ही घंटों में यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मैच का पूरा हाल नागपुर में खेले गए पहले टी20 में टीम इंडिया ने टॉस हारने के बावजूद पहले बैटिंग करते हुए बड़ा स्कोर खड़ा किया। युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ प्रदर्शन किया और 35 गेंदों में 84 रन ठोक दिए। उनकी पारी में आठ छक्के और पांच चौके शामिल थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 रन का योगदान दिया, जबकि रिंकू सिंह ने 20 गेंदों में नाबाद 44 रन बनाए। टीम इंडिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 238 रन का स्कोर बनाया। न्यूजीलैंड की पलटवार कोशिश नाकाम लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 190 रन ही बना सकी। भारत की जीत 48 रनों से दर्ज हुई। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के सामने मजबूत नहीं दिखी और रन रेट लगातार दबाव में रहा। विस्फोटक पारी खेलने वाले अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यह पारी उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे बेहतरीन पारियों में गिनी गई।

भारतीय बाजार हरे निशान पर हुआ बंद; सेंसेक्स 398 अंक उछला, निफ्टी 25250 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड पर सुलह का रुख अपनाने के बाद वैश्विक बाजारों में आई तेजी के चलते बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को तीन सत्रों की गिरावट के बाद उछाल आया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 397.74 अंक या 0.49 प्रतिशत चढ़कर 82,307.37 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, बेंचमार्क 873.55 अंक या 1.06 प्रतिशत बढ़कर 82,783.18 के अंतदेर्शीय उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 132.40 अंक या 0.53 प्रतिशत बढ़कर 25,289.90 पर पहुंच गया। इंट्राडे सत्र में, सूचकांक 278.25 अंक या 1.10 प्रतिशत बढ़कर 25,435.75 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से मामूली रूप से उबरते हुए 3 पैसे बढ़कर 91.62 (अस्थायी) पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स के 30 घटकों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, टाटा स्टील, अदानी पोर्ट्स, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, सन फार्मास्यूटिकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी लाभ कमाने वाले शेयर थे। दूसरी ओर, इटरनल, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और एचडीएफसी बैंक पिछड़ने वालों में शामिल थे। भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी का बाजार पर दिखा सकारात्मक असर लेमन मार्केट्स डेस्क के रिसर्च एनालिस्ट गौरव गर्ग ने कहा कि वैश्विक सकारात्मक संकेतों और भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी के चलते भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को शुरूआती बढ़त में थोड़ी कमी के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यूरोपीय संघ के खिलाफ टैरिफ की धमकियों को वापस लेने और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की संभावना पर उनकी आशावादी टिप्पणियों के बाद बाजार की भावना में सुधार हुआ, जिससे शॉर्ट-कवरिंग और जोखिम लेने को प्रोत्साहन मिला।

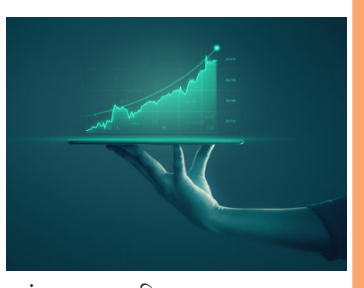

सिंगापुर एयरपोर्ट पर भारत का जलवा, इस मामले में टॉप 5 में हुआ शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगापुर के मशहूर चांगी एयरपोर्ट ने अपने ताजा आंकड़ें जारी किए हैं, जिसमें भारत का जलवा साफ दिख रहा है। पैसेंजर ट्रैफिक और कार्गो, दोनों ही मामलों में भारत टॉप 5 देशों में शामिल हो गया है। सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट के लिए भारत एक बेहद अहम बाजार बनकर उभरा है। गुरुवार को एयरपोर्ट ऑपरेटर, चांगी एयरपोर्ट ग्रुप (उअग्रु) की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत पैसेंजर ट्रैफिक और कार्गो वॉल्यूम, दोनों ही मामलों में टॉप पांच देशों में शामिल है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पिछले साल विजयवाड़ा को एक नए डेस्टिनेशन के तौर पर जोड़ा गया है। यात्रियों की आवाजाही में भारत टॉप 5 में चांगी एयरपोर्ट ग्रुप ने बताया कि साल 2025 में एयरपोर्ट पर 6.99 करोड़ यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई, जो 2024 के मुकाबले 3.4 प्रतिशत ज्यादा है। इस दौरान एयरपोर्ट के लिए पांच सबसे बड़े पैसेंजर बाजार चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और भारत रहे। एयरपोर्ट ने 2025 में अपने नेटवर्क में 13 नए शहरों को जोड़ा, जिसमें भारत का विजयवाड़ा भी शामिल है। अब चांगी एयरपोर्ट से करीब 100 एयरलाइंस 50 देशों के 170 से ज्यादा शहरों के लिए उड़ानें भरती हैं। माल ढुलाई में भी भारत ने दिखाया दम सिर्फ यात्री ही नहीं, बल्कि माल ढुलाई (एयरफ्रेट) के मामले में भी भारत चांगी एयरपोर्ट के लिए एक प्रमुख बाजार है। साल 2025 में एयरपोर्ट ने कुल 20.8 लाख टन माल संभाला, जो पिछले साल से 4.5 प्रतिशत अधिक है। यह चांगी एयरपोर्ट के इतिहास के सबसे बेहतरीन कार्गो प्रदर्शनों में से एक है। चांगी के टॉप पांच एयर कार्गो बाजारों में चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, हांगकांग और भारत शामिल हैं। सालाना आधार पर विमानों की आवाजाही (लैंडिंग और टेक-ऑफ) में 2.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके साथ ही कुल उड़ानों की संख्या बढ़कर 3,74,000 हो गई है। एयरपोर्ट ने तोड़े रिकॉर्ड, दिसंबर रहा सबसे व्यस्त आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 का महीना एयरपोर्ट के लिए साल का सबसे व्यस्त महीना रहा, जिसमें 63 लाख यात्रियों ने सफर किया। वहीं, 20 दिसंबर यानी क्रिसमस से ठीक पहले वाला शनिवार साल का सबसे व्यस्त दिन था, जब 2 लाख 23 हजार से ज्यादा यात्रियों ने चांगी के टर्मिनलों का इस्तेमाल किया।

टैरिफ संकट के बीच अर्थव्यवस्था की रफ्तार, निर्यात और रोजगार बढ़ाने वाला होगा बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ संकट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच एक फरवरी, 2026 को पेश होने वाला आम बजट भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार को बढ़ाने वाला हो सकता है।?साथ ही, यह मोदी सरकार की सतत विकास रणनीति के अनुरूप होगा, जिसमें 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साधने की झलक भी दिखाई देगी।? अर्थशास्त्री संदीप वेम्पति का मानना है कि सरकार इस लक्ष्य के लिए बजट में व्यापार सुगमता, निर्यात, रोजगार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, पर्यावरण और शहरी-ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। वेम्पति ने कहा, सतत विकास रणनीति ने 2014 से अर्थव्यवस्था को गति प्रदान की है। यह आत्मनिर्भरता के सिद्धांत से निर्देशित है। इसके 5 मूलभूत स्तंभ हैं, जो पांच रणनीतिक मोर्चों से संचालित है। ये पांच मूलभूत स्तंभ हैं...नागरिकों एवं संप्रभुता की सुरक्षा। स्वास्थ्य-शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा और कौशल विकास। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर निरंतर ध्यान। मजबूत, स्थिर और लचीली वृहद अर्थव्यवस्था का निर्माण। नेतृत्व की स्थिरता, निरंतरता और हर मोर्चे पर प्रभावी गवर्नेंस। इन क्षेत्रों पर रहेगा जोर अर्थशास्त्री ने कहा, जो पांच रणनीतिक क्षेत्र हैं, उनमें समावेशिता और संतुलित क्षेत्रीय विकास के माध्यम से आर्थिक वृद्धि का विस्तार। निरंतर सुधार। घरेलू विनिर्माण को सुदृढ़ करना। अनुसंधान एवं विकास, नवाचार व उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना और उभरते क्षेत्रों को समर्थन देना है। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर बजट

में जोर दिया जा सकता है। 56 लाख करोड़ हो सकता है बजट का आकार बजट 2026 का आकार 55 लाख करोड़ से 56 लाख करोड़ के बीच रहने की संभावना है। 2025-26 में नॉमिनल जीडीपी में 10 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है और 2026-27 में इसके लगभग 390 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। बढ़ सकता है पूंजीगत खर्च खर्च की गुणवत्ता में सुधार जारी रहेगा और पूंजीगत व्यय 12.25 लाख करोड़ से 12.5 लाख करोड़ रुपये के बीच रहने की संभावना है। पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता जारी रहने की संभावना है। इसके लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। नियामक व वैधानिक स्वीकृतियां बड़ी बाधाएं उच्च वृद्धि दर हासिल करने में सबसे बड़ी बाधाएं नियामक और वैधानिक स्वीकृतियां व अनुपालन एवं निजी क्षेत्र की जोखिम से बचने की प्रवृत्ति हैं। व्यापार करने में आसानी सरकार की प्राथमिकता होगी। अब तक की कई पहलों को आगे बढ़ाते हुए नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम के पुनर्गठन की घोषणा होने की संभावना है।

सातवीं बरेली प्रीमियर टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट लीग 23 जनवरी से, विजेता टीम को मिलेंगे एक लाख रुपये

बरेली (एजेंसी)। बरेली प्रीमियर टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट लीग का आगाज 23 जनवरी को होगा। 30 जनवरी तक चलने वाली लीग में कुल 12 टीमों को प्रवेश दिया गया है, जिनमें स्थानीय टीमें भी शामिल हैं। बरेली में सातवीं बरेली प्रीमियर टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट लीग

(शकुंतला देवी की स्मृति में) का आयोजन 23 जनवरी से 30 जनवरी तक डोहरा रोड स्थित मैदान पर किया जाएगा। आयोजकों ने बुधवार को प्रतियोगिता का विस्तृत कार्यक्रम साझा किया। अध्यक्ष सुनील सक्सेना और सचिव प्रशांत रायजादा ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ 23 जनवरी को सुबह नौ बजे से होगा। लीग में कुल 12 टीमों को प्रवेश दिया गया है, जिनमें स्थानीय टीमें भी शामिल हैं। विजेता टीम को एक लाख रुपये की प्राइज मनी प्रदान की जाएगी। उपविजेता टीम को 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा। सभी मुकाबले कलर किट में खेले जाएंगे, जो आयोजन समिति की ओर से टीमों को उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रतियोगिता बरेली क्रिकेट एसोसिएशन से संबद्ध है। आईपीएल सितारे भी दिखा चुके हैं जलवा आयोजकों ने बताया कि पूर्व में इस लीग में आईपीएल में खेलने वाले समीर रिजवी, आर्यन जुयाल, दीक्षांशु नेगी के साथ ही रणजी स्तर पर खेल रहे अनूप अहलावत, मयंक मिश्रा, सौरभ रावत, सागर रावत, सत्यम सांगू, शिवम शर्मा, शिवा सिंह जैसे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। इस दौरान मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, संरक्षक संजय सक्सेना, अजीत सक्सेना, ओपी कोहली व क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा भी उपस्थित रहीं।

उपभोक्ताओं की अधिक सुरक्षा और पारदर्शिता लाने के लिए बीआईएस लाया एप, जानिए कैसे मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस, भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है) ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी भूमिका का विस्तार किया है। बीआईएस ने गुणवत्ता संबंधी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, हॉलमार्किंग का विस्तार करने और प्रमाणन चिन्हों के दुरुपयोग को रोकन के लिए डिजिटल निगरानी को बढ़ाने के लिए घरेलू सुधारों में तेजी ला रहा है। इसमें उपभोक्ताओं में और अधिक जागारुकता के साथ अधिक सुरक्षा दी जा सके। बीआईएस के वैज्ञानिक-जी व उप महानिदेशक (पश्चिम क्षेत्र) वी.गोपीनाथ ने को बताया, भारतीय मानक ब्यूरो ने अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है। हम कई नए क्षेत्र के लिए भी प्रमाणन चिन्ह और बीआईएस मानकों को अनिवार्य करने वाले हैं। वर्तमान में भारत केवल अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को अपना ही नहीं रहा है, बल्कि उन्हीं मानकों को बनाने में सक्रिय रूप से भाग ले रहे है। मौजूदा समय में भारतीय मानकों का लगभग 90 प्रतिशत अब अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरुप है, जो विनिर्माण और निर्यात के विस्तार के साथ भारत को वैश्विक गुणवत्ता मानक के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार के प्रयासों को दिखाता है। एचयूआईडी संख्या के साथ आभूषणों की पिक्चर और वजन दर्ज के लिए पायलेट प्रोजेक्ट गोपीनाथ ने कहा, कीमती धातुओं की हॉलमार्किंग यह मुख्य क्षेत्र है, जहां लोग अधिक स्पष्टता और विश्वास चाहते हैं। वर्तमान समय में 373 जिलों में सोने पर अनिवार्य हॉलमार्किंग लागू की जा चुकी है और अब तक 58 करोड़ आभूषणों पर हॉलमार्किंग हो भी चुकी है। बीआईएस हॉलमार्के विशिष्ट पहचान (एचयूआईडी) नंबर होता जिसको आप हमारे एप पर डालकर यह सुनिश्चित करते हैं, कि सोने की शुद्धता कितनी है, अब आभूषणों की छवि यानी पिक्चर और वजन को दर्ज करने के लिए 25 केंद्रो में एक पायलेट परियोजना शुरू की गई है। इसमें कोई ग्राहक आभूषण लेता है और उसका एचयूआईडी नंबर और उसकी फोटो कैप्चर कर हमारे बीआईएस एप डाली जाती है, जिसके बाद उसका सही वजन, शुद्धता का पता चलेगा। इसके जरिए नकली एचयूआईडी के डुप्लिकेशन और फर्जी एचयूआईडी की संभावना भी कम हो जाती है। दक्षता, पारिदर्शिता और डिजिटल पर जोर उन्होंने कहा, बीआईएस अपने काम में दक्षता और पारदर्शिता पर जोर दे रहा है, साथ ही डिजिटल उपस्थिति को मजबूत करते हुए बीआईएस ने ऑनलाइन मानक विकास पोर्टल लॉन्च किया है। इससे पूरी मानक निर्माण प्रक्रिया जिसमें विशेषज्ञ परामर्श, मसौदा तैयार करना और वितरण को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर दिया गया है। इससे मानक निर्माण में तेजी आएग और मानवीय त्रिटियों को भी कम किया जा सकेगा। उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए बीआईएस केयर एप गोपीनाथ ने कहा, बीआईएस का उपभोक्ता सुरक्षा को हमेशा सर्वोपरि रखता है, इसलिए उपभोक्ताओं की सुरक्षा और उनकी शिकायतों के लिए बीआईएस उपलब्ध है। यह उपभोक्ताओं को प्रमाणित उत्पादों को सत्यापित करने और गलत उत्पादों के बारे शिकायते दर्ज करने में उनकी मदद करता है। साल भर में 200 से अधिक शिकायते आती है। हम एक सप्ताह में 90 उपभोक्ता शिकायतों का समाधान करते हैं। वे बताते हैं कि इसमें ज्यादतर सोना, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर खरीदे गए उत्पाद, खिलौनों को लेकर अधिक शिकायते आती हैं। उन्होंने बताया कि साल 2024-25 में बीआईएस बड़े ई-कॉमर्स कंपनियों की शिकायते भी मिली, उसके बाद देश भर के 150 गोदोमों पर छापे मारे गए। यह केयर एप 12 मिलियन से अधिक बार डाउललोड किया जा चुका है। इस ऐप को गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

इस भारतीय गेंदबाज के कायल हुए सुनील गावस्कर, बताया गेंदबाजी का जादूगार; ग्लेन फिलिप्स ने भी सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। अब पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर भी खुद को उनकी तारीफ करने से नहीं रोक सके हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के कायल हो गए। वरुण पिछले कुछ समय से भारतीय टीम का अहम हिस्सा हैं और उन्होंने भारत को पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी में मिली खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वरुण टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं और फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं। गावस्कर ने वरुण की गेंदबाजी का आकलन किया अब गावस्कर ने वरुण की जमकर सराहना की है और उन्हें गेंदबाजी का जादूगार तक कह दिया है। गावस्कर का मानना है कि यह रहस्यमयी स्पिनर अपनी चालाकी और अनोखी विविधताओं से बल्लेबाजों को लगातार चकमा दे रहा है। गावस्कर ने कहा, वरुण थोड़ा लय से बाहर लग रहे थे, लेकिन यह समझ में आता है। उन्होंने दो विकेट लिए और जब बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे तब भी उनकी इकॉनोमी रेट काफी अच्छी थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि उनकी बॉडी लैंग्वेज अच्छी थी। जब भी वह थोड़ा रन लुटा लेते हैं तो उनकी बॉडी लैंग्वेज थोड़ी बदल जाती है, लेकिन पहले टी20 में ऐसा नहीं हुआ। उनकी गेंदों पर दो छक्के लगने के बावजूद उन पर किसी तरह का असर नहीं दिख रहा था जो अच्छा संकेत है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह गेंदबाजी का जादूगर है। वह शानदार गेंदबाजी करते हैं। गावस्कर के अलावा न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने भी वरुण की जमकर तारीफ की है। फिलिप्स ने कहा कि वरुण की गेंद को समझने के लिए आपके सिर की स्थिति सही होनी चाहिए। फिलिप्स ने पहले मैच में वरुण चक्रवर्ती का डटकर सामना किया और उनके खिलाफ कुछ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने कहा कि संतुलन, सिर की सही स्थिति और गेंद फेंकते समय अधिकतम जानकारी हासिल करने से ही वह इस गेंदबाज के खिलाफ सफल रहे। फिलिप्स बोले- वरुण से निपटने के लिए तरीके खोजने होंगे फिलिप्स ने कहा, वरुण को समझना बहुत मुश्किल है। वह बहुत अच्छी लेंथ और तेज गति से गेंदबाजी करते हैं। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से सही पोजीशन में आना, अपना ध्यान सही जगह पर रखना और उनके हाथों की सही स्थिति का अधिक से अधिक सही आकलन करना ही महत्वपूर्ण है। हर कोई अलग तरह से खेलता है और जिन पिचों पर गेंद ज्यादा घूमती है, वहां वह और भी मुश्किल हो जाता है। हम जिस तरह की पिच पर खेले उसमें बहुत ज्यादा टर्न नहीं था। इस तरह की पिच पर खेलना कभी-कभी आसान हो जाता है लेकिन इसके बावजूद उनकी गेंद का सामना करना आसान नहीं होता है। मुझे लगता है कि हर किसी को वरुण से निपटने के अपने-अपने तरीके खोजने होंगे।

भविष्य के लिए उम्मीद जगाती है जीडीपी की मौजूदा स्थिति, सुधारों से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि के प्रारंभिक अनुमान भारतीय जीडीपी की मजबूती को दशार्ते हैं। ये आंकड़े भारत के दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की तरफ भी इशारा करते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति भविष्य के लिए खुशनुमा उम्मीद जगाती है।?साथ ही, वैश्विक जोखिम और

नीतिगत अनिश्चितताओं के बावजूद देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आरबीआई ने बुधवार को जारी जनवरी बुलेटिन में कहा, वर्ष 2026 की शुरूआत वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों से हुई।?इनमें वेनेजुएला में अमेरिकी हस्तक्षेप, पश्चिम एशिया में तनातनी, रूस-यूक्रेन शांति समझौते को लेकर अनिश्चितता और ग्रीनलैंड विवाद शामिल हैं। इन घटनाओं से वैश्विक जोखिम एवं नीतिगत अस्थिरता बढ़ी, लेकिन भारत की मौजूदा स्थिति आगे के लिए उम्मीद जगाती है। बुलेटिन के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि के प्रारंभिक अनुमान भारतीय जीडीपी की मजबूती को दशार्ते हैं। ये आंकड़े भारत के दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की तरफ भी इशारा करते हैं। दिसंबर, 2025 के उच्च-आवृत्ति संकेतकों से पता चला कि घरेलू मांग में मजबूती और वृद्धि की रफ्तार बनी हुई है। खुदरा महंगाई दिसंबर में थोड़ा बढ़ी, लेकिन आरबीआई के संतोषजनक स्तर के निचले स्तर से नीचे ही रही। बुलेटिन में कहा गया है, भारत ने निर्यात विविधीकरण और मजबूती के प्रयास तेज किए हैं। भारत 14 देशों या समूहों के साथ व्यापार वार्ता में शामिल है।?

मनोरंजन

अखिल भारतीय समाचार-पत्र एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

लखनऊ (संवाददाता)। अखिल भारतीय समाचार-पत्र एसोसिएशन उत्तर प्रदेश राज्य की कार्यकारिणी की एक औपचारिक बैठक प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार चतुर्वेदी की अल्पकालिक सूचना पर राजधानी लखनऊ स्थित हलवासिया कोर्ट, हजरतगंज में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सहभागिता कर संगठन की भावी दिशा, विस्तार एवं मजबूती पर गहन विचार-विमर्श किया। प्रदेश महासचिव द्वारा बैठक का कुशल संचालन किया गया तथा सभी विषयों को सुव्यवस्थित रूप से सदन के समक्ष रखा गया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव कमल श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी सक्रिय कार्यकारिणी और जमीनी स्तर पर काम करने वाले पत्रकार हैं। यदि सभी पदाधिकारी अपने-अपने जिलों में संगठन को मजबूती दें, तो पत्रकारों के हितों की रक्षा और निष्पक्ष पत्रकारिता को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने संगठन को अनुशासन, पारदर्शिता और एकजुटता के साथ आगे बढ़ाने पर बल दिया। प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार चतुर्वेदी ने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

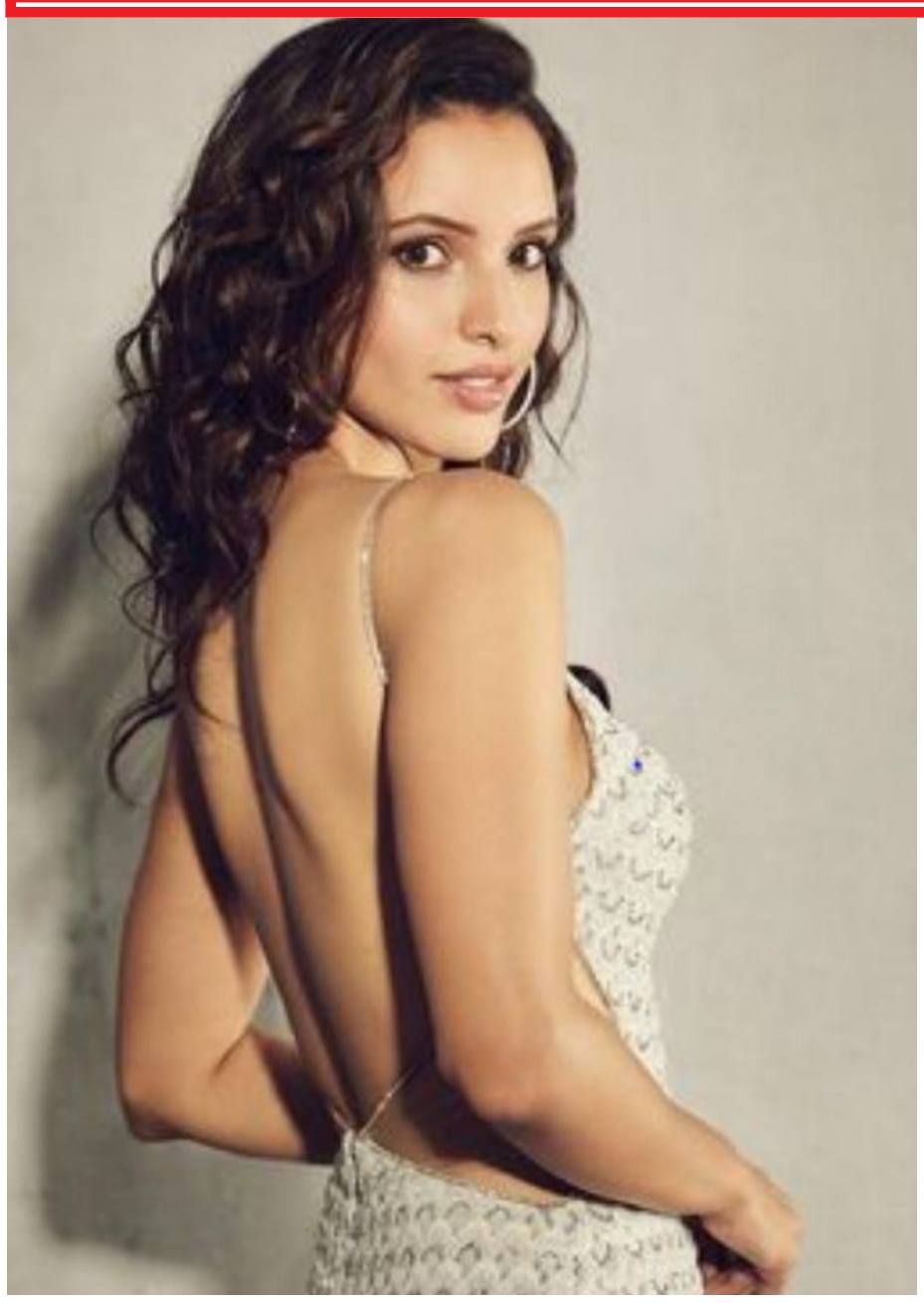

त्रिप्ति डिमरी ने शेयर किया विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो में काम करने का अनुभव

कहा यह बहुत शानदार था, लेकिन चुनौतीपूर्ण भी..

बॉलीवुड एक्ट्रेस त्रिप्ति डिमरी इन दिनों विषाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म ओ रोमियो को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह एक्टर शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी। इसी बीच बीते बुधवार फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया, जहां त्रिप्ति ने फिल्म में अपने किरदार अफ्शा को लेकर खुलकर बात की और बताया कि यह रोल उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी गहरा था। उन्होंने यह भी बताया कि शूटिंग के दौरान शाहिद कपूर और अविनाश तिवारी ने हर कदम पर उनका साथ दिया। त्रिप्ति ने कहा, फिल्म ओ रोमियो में काम करने का अनुभव बहुत शानदार था, लेकिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण भी। अच्छी बात यह रही कि विशाल सर हर समय मेरे साथ थे और शाहिद भी। वह सबसे सपोर्टिव को-एक्टर हैं। अविनाश तिवारी भी हमेशा मदद के लिए मौजूद रहे। इस फिल्म में मेरे जितने भी को-एक्टर्स थे, सभी बहुत सहयोगी थे। सच कहूं तो उनके बिना शायद मैं यह रोल निभा ही नहीं पाती। त्रिप्ति ने यह भी बताया कि उन्होंने अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए एक्टिंग वर्कशॉप्स की। उन्होंने कहा,ह्लमैंने अतुल मोंगे सर के साथ एक्टिंग वर्कशॉप की। वह वाकई कमाल के हैं। आप उनके वर्कशॉप में यह सोचकर जाते हैं कि एक्टिंग सीखेंगे, लेकिन वहां से आप अपने बारे में और जिंदगी के बारे में बहुत कुछ सीखकर लौटते हैं। उनकी मदद से मैं अपने किरदार की गहराई को समझ पाई। यह सफर बहुत खूबसूरत रहा। और जब फिल्म विशाल भारद्वाज सर की हो, तो वह अपने आप में एक एक्टिंग क्लास होती है। वह रोज नए-नए चौलेंज देते रहते हैं। हर एक्टर को यह अनुभव जरूर लेना चाहिए। बता दें, ओ रोमियो में अफ्शा के किरदार के जरिए त्रिप्ति डिमरी फिल्म की भावनात्मक कहानी को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।

अनुपमा और तुलसी में से किसे मिले अव्वल नंबर

नागिन रह गई पीछे;जानें साल के दूसरे हफ्ते की टीआरपी रेटिंग

साल 2026 के दूसरे हफ्ते की टीवी सीरियल की रेटिंग, टीआरपी लिस्ट सामने आ चुकी है। इस बार सीरियल अनुपमा ने अपना दमखम दिखाया है। जानिए, कौन टीआरपी लिस्ट में अव्वल रहा है? नए साल की शुरूआत हुए 22 दिन हो चुके हैं। इस साल के दूसरे हफ्ते की टीआरपी रेटिंग अब सामने है। जानिए, इस बार किसने टीआरपी लिस्ट में बाजी मारी है। कौन का सीरियल

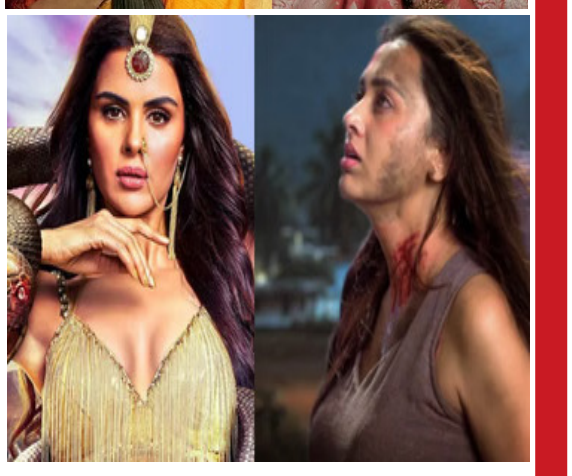

इस लिस्ट में टॉप पर है? कौन किससे पीछे रह गया है। तुलसी के सिर पर सजा ताज दूसरे हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में टॉप पर सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 रहा। इसकी टीआरपी 2.3 की रही है। पहले हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में भी इसकी टीआरपी इतनी ही थी। इस सीरियल में तुलसी के लीड रोल में स्मृति ईरानी नजर आती हैं। अनुपमा की रेटिंग में उछाल दूसरे हफ्ते की टीआरपी रेटिंग में सीरियल अनुपमा को दूसरा स्थान मिला है। इसकी रेटिंग 2.2 रही है। जबकि पहले हफ्ते में इसकी टीआरपी रेटिंग 2.1 की थी। इस बार अनुपमा सीरियल ने नागिन 7 को पीछे छोड़ दिया है। टीआरपी लिस्ट में अपनी स्थिति को बेहतर किया है। नागिन 7 को मिला तीसरा स्थान दूसरे हफ्ते की टीआरपी रेटिंग में सीरियल नागिन 7 को तीसरा स्थान मिला है। इसकी टीआरपी रेटिंग 1.9 रही है। जबकि पहले हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में यह दूसरे स्थान पर था और इसकी रेटिंग 2.1 थी। इस बार इस सीरियल की पॉपुलैरिटी में गिरावट नजर आई है।

राष्ट्रपति का निमंत्रण सिनेमा, शिक्षा और विकसित भारत में योगदान का सम्मान: सुभाष घई

इस निमंत्रण को उन्होंने गर्व और विनम्रता का पल बताते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनके व्यक्तिगत सफर का नहीं, बल्कि देश में सिनेमा और शिक्षा के राष्ट्रनिर्माण में योगदान का भी प्रतीक है। इंस्टाग्राम पर साझा

करते हुए सुभाष घई ने लिखा मुझे कल माननीय भारत के राष्ट्रपति द्वारा 26 जनवरी की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति भवन के ऐट होम रिसेप्शन में आमंत्रित किए जाने पर अत्यंत सम्मानित अनुभव हुआ।मैं इसे एक फिल्ममेकर के रूप में 50 वर्षों और एक शिक्षाविद् के रूप में 25 वर्षों के योगदान एक विकसित भारत की दिशा में के सम्मान के रूप में देखता हूं। मैं अपने और अपनी टीम की ओर से आभार व्यक्त करता हूं, जो राष्ट्रनिर्माण के प्रति अपने योगदान को जारी रखने की प्रतिज्ञा करती है। स्वयं को धन्य महसूस करता हूं। पाँच दशकों तक भारतीय सिनेमा में योगदान देने और 25 वर्षों तक शिक्षा के माध्यम से रचनात्मक प्रतिभाओं को संवारने वाले सुभाष घई की यात्रा उद्देश्यपूर्ण कहानी कहने और दूरदर्शी शिक्षण की मिसाल मानी जाती है। उनके अनुसार यह निमंत्रण केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि उनकी पूरी टीम के सामूहिक समर्पण और भारत के भविष्य, संस्कृति और युवा शक्ति को आकार देने की प्रतिबद्धता का मूल्यांकन भी है।

दो दीवाने सहर में आसमा बना इस सीजन का फ्रेश साउंड ऑफ लव

मृणाल– सिद्धांत की केमिस्ट्री ने जीता दिल

जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस की अपकमिंग रोमांटिक फिल्म दो दीवाने शहर में पहले ही अपने खूबसूरत और रियल टीजर से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुकी है।यह फिल्म उन लोगों के लिए एक परफेक्ट वैलेंटाइन ट्रीट लग रही है, जो इम्परफेक्ट, कंफ्यूजिंग और खूबसूरती से उलझे हुए प्यार में विश्वास रखते हैं। टीजर ने जहां इस यूनिक लव स्टोरी का टोन बेहद सेंसिटिव और रिलेटेबल रखा, वहीं अब मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना आसमा रिलीज कर दिया है, जिसने दर्शकों की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है। आसमा अपने आप में एक क्लटर-ब्रेकिंग रोमांटिक सॉन्ग है, जो आम बॉलीवुड लव सॉन्ग्स से बिल्कुल अलग फील देता है। गाने की मीठी धुन और स्क्रीन पर चलती कहानी मिलकर एक ऐसा एहसास पैदा करती हैं, जो आज के दौर के असली और अधूरे प्यार को दर्शाता है। यह गाना न तो ओवरड्रामैटिक है और न ही जरूरत से ज्यादा फिल्मी- बल्कि सादा, सच्चा और दिल से जुड़ने वाला है।गाने में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की केमिस्ट्री बेहद क्यूट और नेचुरल नजर आती है। दोनों के बीच का साइलेंट कनेक्शन, छोटे-छोटे मोमेंट्स और बिना ज्यादा कहे बहुत कुछ बयां करने वाला अंदाज गाने को और भी खास बना देता है। उनकी ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग इस बात का सबूत है कि यह फिल्म एक रियल और सरप्राइजिंग लव स्टोरी लेकर आ रही है। जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस प्रस्तुत दो दीवाने शहर में में लीड रोल में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रवि उद्यवार ने किया है और इसे संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार रंगा ने रवि उद्यवार फिल्म्स के सहयोग से प्रोड्यूस किया है।

परिवार के साथ बाहर निकलीं बिपाशा बसु, बेटी की तस्वीर लेने पर दिया ऐसा रिएक्शन

बिपाशा बसु अपने परिवार के साथ बाहर निकलीं। इस दौरान एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीर लेनी चाही। उन्होंने इस पर क्या रिएक्शन दिया है आइए जानते हैं। बिपाशा बसु सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने परिवार की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती

हैं। हाल ही में वह अपने परिवार के साथ बांद्रा में नजर आईं। इस दौरान उनकी बेटी देवी भी उनके साथ थी। बिपाशा बसु ने वहां मौजूद फोटोग्राफरों से जो कहा उसने लोगों का ध्यान खींचा है। वायरल वीडियो में क्या है? वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि बिपाशा बसु कार से निकल रही हैं। वह अपनी बेटी देवी को गोद में लिए हुए हैं। वह जब आगे बढ़ीं तो फोटोग्राफर ने बच्ची की तस्वीर लेनी चाही। इस बीच बिपाशा बसु ने बच्ची का चेहरा अपने हाथ से ढक लिया। फोटो लेने वाले शख्स से बिपाशा बसु ने पूछा कि कौन हैं आप? इसके बाद पीछे से करण सिंह ग्रोवर आए। वीडियो देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि बिपाशा बसु अपनी बच्ची की प्राइवेसी का कितना ख्याल रखती हैं। कब हुई थी बिपाशा की शादी? आपको बता दें कि बिपाशा बसु ने 30 अप्रैल 2016 को अभिनेता करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी। नवंबर 2022 में दोनों ने बेटी देवी बसु का स्वागत किया। साउथ की इस मशहूर अभिनेत्री ने की 'मदार्नी 3' के ट्रेलर की तारीफ, कहा- रानी मुखर्जी की तरह कोई नहीं बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर का वर्कफ्रंट बिपाशा बसु ने साल 2001 में फिल्म 'अजनबी' से बॉलीवुड में कदम रखा था। वह आखिरी बार फिल्म 'वेलकम टू न्यूयॉर्क' में कैमियो रोल में नजर आईं। करण सिंह ग्रोवर ने फिल्म 'अलोन' से बॉलीवुड में कदम रखा था। वह आखिरी बार फिल्म 'फाइटर' में नजर आए।

दुनिया की तरह इंडस्ट्री भी बदल गई..जावेद जाफरी ने एआर रहमान के सपोर्ट में कही बात

बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार एआर रहमान अपने श्कम्युनलश वाले बयान के बाद से विवादों में घिरे हुए हैं। उनके इस स्टेटमेंट के बाद हर कोई इस पर अपनी राय दे रहा है और उन पर निशाना साध रहा है। हालांकि, माफी मांगने के बाद भी रहमान अपने बयान को लेकर ट्रोल हो रहे हैं। इसी बीच अब हाल ही में एक्टर जावेद जाफरी ने सिंगर के सपोर्ट में अपनी बात कही है। जावेद जाफरी ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, दुनिया की तरह इंडस्ट्री भी बदल गई है। डिजिटल। एआई। दुनिया बदल रही है। फैशन बदल रहा है, खान-पान बदल रहा है। मूल्य बदल रहे हैं। जाहिर है, सोच का तरीका भी बदल रहा है। मुझे हाल ही में पता चला है कि जेनरेशन जेड या अल्फा पीढ़ी के लोगों का ध्यान सिर्फ 6 सेकंड तक ही टिकता है। एक्टर ने कहा चौनल प्रमुखों का कहना है कि अगर आप इसे 6 सेकंड में कैद नहीं कर सकते, तो यह खत्म हो गया। हम इतनी तेजी से बदल रहे हैं। बस यही बात है। ठीक है। कुछ ढांचा तो रहा है। कुछ अवसर भी मिले हैं। आप लंबी कहानी सुना सकते हैं, लेकिन फिल्म में समय सीमित होता है। विकल्प तो हैं, लेकिन साथ ही व्यापार भी है। आंकड़े भी हैं। आप एक प्रोजेक्ट बना रहे हैं, फिल्म नहीं। एआर रहमान ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में कहा था कि पिछले 8 साल से उन्हें बॉलीवुड में काम मिलना बंद हो गया है। ऐसा सांप्रदायिकता की वजह से हो सकता है। वहां पर जो लोग बैठे हैं, वो क्रिएटिव नहीं हैं। सिंगर के इस बयान की काफी आलोचना हुई थी, जिसके बाद उन्होंने एक वीडियो शेयर कर माफी मांगी थी और कहा था कि उनके कहने का यह उद्देश्य नहीं था।

छत पर सोलर पैनल लगाओ तभी मिलेगा वेतन, यूपी के मऊ में बेसिक शिक्षा विभाग का नया फरमान

लखनऊ (संवाददाता)। प्रधानमंत्री सूर्यघर,सौर योजना के तहत जिलों में शिक्षकों के घरों पर सोलर पैनल लगाए जाने को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) मऊ ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों से व्यक्तिगत संपर्क कर सोलर लगाए जाने की शत-प्रतिशत सूचनाध्प्रमाणपत्र तत्काल उपलब्ध कराएं। वहीं पैनल न लगवाने वाले शिक्षकों का वेतन रोक दिया जाएगा। मऊ के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय के स्तर से जारी पत्र में कहा गया है कि मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशानुसार योजना के अंतर्गत प्रत्येक शिक्षक के घर सोलर लगाए जाने थे, लेकिन अब तक सभी शिक्षकों के घर सोलर लगने संबंधी पूरी रिपोर्टध्प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं कराया गया है। इसे उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना माना गया है। आदेश में बीएसए ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि संबंधित शिक्षक द्वारा सोलर लगाए जाने का प्रमाणपत्र अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराने के बाद ही मानव संपदा पोर्टल पर वेतन हेतु उपस्थिति लॉक की जाएगी। बीएसए कार्यालय ने निर्देश दिया है कि सौर घर योजना के तहत शत-प्रतिशत सोलर लगवाने की सूचना के साथ स्वयं के हस्ताक्षर से प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। अन्यथा संबंधित का वेतन प्रभावित किए जाने की कार्रवाई की जा सकती है। गुरुवार को न्यूज एजेंसी से मऊ बीएसए संतोष कुमार उपाध्याय ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना में सोलर लगवाए जाने है।

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए प्रचार शुरू

शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद पहला इलेक्शन

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के पहले राष्ट्रीय चुनावों के लिए गुरुवार को प्रचार शुरू हो गया। बांग्लादेश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने राजधानी ढाका और दूसरी जगहों पर 12 फरवरी को होने वाले चुनाव से पहले प्रचार रैलियां शुरू कर दी हैं। इस चुनाव को बांग्लादेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद एक अंतरिम सरकार के तहत हो रहा है। कानून व्यवस्था को लेकर चिंताएं बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने का वादा किया है, लेकिन उनके प्रशासन द्वारा हसीना की अवामी लीग पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के बाद उनकी मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। बांग्लादेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी चिंताएं हैं, लेकिन सरकार का कहना है कि मतदान शांतिपूर्ण रहेगा। शेख हसीना की सरकार के खिलाफ हुए हिंसक आंदोलन में कई लोगों की मौत के बाद 5 अगस्त, 2024 को हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद अंतरिम सरकार बनी। अवामी लीग के चुनाव से बाहर होने के बाद, जमात-ए-इस्लामी पार्टी चुनाव मैदान में है। जमात ए इस्लामी 10-पार्टियों वाले गठबंधन के साथ बांग्लादेश की राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रही है। जमात-ए-इस्लामी को लंबे समय से धर्मनिरपेक्ष समूहों की आलोचना का सामना करना पड़ा है, इन धर्मनिरपेक्ष समूहों का आरोप है कि जमात ए इस्लामी के विचार बांग्लादेश की धर्मनिरपेक्ष नींव को चुनौती देते हैं। शेख हसीना सरकार के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं द्वारा बनाई गई नई पार्टी, नेशनल सिटिजन पार्टी, या ठउढ भी इस गठबंधन का हिस्सा है। तारिक रहमान पीएम पद के मजबूत दावेदार फिलहाल इस चुनाव में बीएनपी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान को प्रधानमंत्री पद के लिए एक प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। उनकी पार्टी को उनकी मां की मजबूत राजनीतिक विरासत के कारण अच्छा समर्थन मिला है। खालिदा जिया का पिछले महीने ही निधन हो गया था। रहमान पिछले महीने यूनाइटेड किंगडम में 17 साल के निर्वासन के बाद बांग्लादेश लौटे थे। रहमान ने गुरुवार को उत्तर-पश्चिमी शहर सिलहट से अपनी पार्टी के चुनाव प्रचार की शुरूआत की। आने वाले दिनों में रहमान के कई अन्य जिलों का दौरा करने का कार्यक्रम है। जमात-ए-इस्लामी और ठउढ ने राजधानी ढाका में अपना कैंपेन शुरू किया। नेशनल चार्टर पर भी होगा जनमत इस चुनाव में एक नेशनल चार्टर, जुलाई नेशनल चार्टर, पर जनमत संग्रह भी होगा। इस चार्टर पर पिछले साल देश की 52 पंजीकृत राजनीतिक पार्टियों में से 25 ने साइन किए थे।

परेड का मुख्य आकर्षण सेना के रोबोटिक म्यूल, जल्द दुर्गम इलाकों में छिपे आतंकियों का होगा खात्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दिनों में यह रोबोटिक म्यूल आतंकरोधी अभियानों में खासकर जम्मू-कश्मीर के दुर्गम और घने जंगल वाले इलाकों में सैनिकों से पहले आगे जाते नजर आएंगे। यह संदिग्ध इलाकों की जांच कर दुश्मन की मौजूदगी की जानकारी देंगे और जरूरत पड़ने पर सैन्य निगरानी में फायरिंग भी करेंगे। इस बार कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड का मुख्य आकर्षण सेना के रोबोटिक म्यूल भी होंगे। सेना के मुताबिक यह रोबोटिक म्यूल आने वाले दिनों में सैनिकों के लिए कॉम्बैट सपोर्ट की भूमिका भी निभाएंगे। यहां तक कि आतंकियों की घेराबंदी के बाद इनको करीबी लड़ाई में फायर स्पोर्ट के लिए भी तैयार किया जा रहा है। इसके लिए इनको पूरी तरह एआई से एकीकृत करने पर कार्य जारी है।

आने वाले दिनों में यह रोबोटिक म्यूल आतंकरोधी अभियानों में खासकर जम्मू-कश्मीर के दुर्गम और घने जंगल

वाले इलाकों में सैनिकों से पहले आगे जाते नजर आएंगे। यह संदिग्ध इलाकों की जांच कर दुश्मन की मौजूदगी की जानकारी देंगे और जरूरत पड़ने पर सैन्य निगरानी में फायरिंग भी करेंगे। यदि कोई आतंकवादी किसी इमारत या कमरे में छुपा है, तो सैनिकों को भेजने के बजाय म्यूल को अंदर भेजा जा सकता है। इसमें लगे 360-डिग्री कैमरे और थर्मल सेंसर अंधेरे या धुएं में भी आतंकी की सटीक स्थिति बता सकते हैं। हालांकि इन रोबोटिक म्यूल्स पर लगी राइफलें पूरी तरह मानवीय नियंत्रण में संचालित होंगी और फायरिंग का अंतिम निर्णय सैनिक ही लेंगे। सेना के मुताबिक इनका मकसद किसी पैदल सैनिक की जगह लेना नहीं, बल्कि खतरनाक परिस्थितियों में सैनिकों की जान को जोखिम से दूर रखना है। सैन्य भाषा में इनको फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में देखा जा रहा है। फिलहाल इनका उपयोग दुर्गम इलाकों में सैनिकों की मदद के लिए किया जा रहा है। यह म्यूल 12 से 15 किलो तक का रसद, गोला-बारूद या मेडिकल किट आदि उठा सकते हैं।

बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने से चीन का इनकार

कहा- चाहे जो हो, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करेंगे

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने से इनकार कर दिया है। चीन ने कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के संकेत दिए हैं। चीन ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के अमेरिकी आमंत्रण को ठुकरा दिया है। चीन ने कहा कि बीजिंग, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में चीन के दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में यू जिंग ने चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से लिखा, 'चीन को बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए

अमेरिका का आमंत्रण प्राप्त हुआ। चीन हमेशा से बहुपक्षवाद का पालन करता आया है। अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में चाहे जो बदलाव आएं, चीन, संयुक्त राष्ट्र के केंद्र में रखकर बनाई गई अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।' ट्रंप ने कहा- बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र से भी ज्यादा काम करेगा चीन का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावोस में विश्व आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोर्ड ऑफ पीस को अब तक का सबसे प्रतिष्ठित बोर्ड बताया था और कहा कि यह बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र से भी ज्यादा काम करेगा। ट्रंप ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर काम करेंगे, लेकिन यह बोर्ड ऑफ पीस खास होगा। ट्रंप ने गाजा में संघर्ष विराम की 20 सूत्रीय योजना को लागू करने के लिए बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है। अब ट्रंप इस बोर्ड ऑफ पीस के उद्देश्य को व्यापक करते हुए इसके जरिए वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करना चाहते हैं। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि प्रस्तावित बोर्ड के सदस्य गाजा में स्थिरीकरण और दीर्घकालिक सफलता की निगरानी करेंगे। इनमें गाजा में शासन क्षमता निर्माण, क्षेत्रीय संबंध, पुनिर्निर्माण, निवेश, बड़े पैमाने पर वित्तपोषण और पूंजी जुटाने का काम शामिल है। बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए अमेरिका ने 60 से ज्यादा देशों को न्योता भेजा है। पुतिन ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने को लेकर कही ये बात बुधवार रात को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा, 'बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने को लेकर विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि वे हमें मिले दस्तावेजों का ठीक से अध्ययन करें। हम इस बारे में रूस के रणनीतिक साझेदारों से भी चर्चा करेंगे और उसके बाद ही इस बारे में कुछ फैसला करेंगे।' पुतिन ने कहा हम हमेशा अंतरराष्ट्रीय स्थिरता को मजबूत करने के पक्ष में रहे हैं। साथ ही हम यूक्रेन संकट हल करने के लिए अमेरिका के प्रयासों की भी सराहना करते हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के आमंत्रण के लिए भी धन्यवाद कहा।

पूर्व पीएम ओली ने किया चुनाव में दो-तिहाई बहुमत मिलने का दावा, बालेन पर साधा निशाना

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में आगामी आम चुनाव को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चुनाव में दो-तिहाई बहुमत का दावा करते हुए कहा कि पार्टी को करीब 70 फीसदी मत मिल सकते हैं। उन्होंने नेपाली कांग्रेस को कमजोर बताया और कहा कि पूर्व माओवादी मतदाता भी अब एमाले के साथ हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव में दो-तिहाई बहुमत का दावा किया है। झापा के कमल गांवपालिका में उन्होंने कहा कि मतदाताओं का रुझान स्पष्ट रूप से एमाले के पक्ष में है और पार्टी को करीब 70 फीसदी मत मिलने की संभावना है।

बालेन्द्र शाह बालेन पर ओली ने साझा निशाना ओली ने नेपाली कांग्रेस को संगठनात्मक रूप से कमजोर बताया और कहा कि पूर्व माओवादी दल के मतदाता भी अब एमाले के साथ हैं। अपने प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेन्द्र शाह बालेन पर ओली ने कहा, भूमिहीनों की बस्तियों पर बुलडोजर चलाने वाले पुनर्वास की पीड़ा नहीं समझ सकते। चुनाव मैदान में डटे चार पूर्व प्रधानमंत्री नेपाल में 4 पूर्व प्रधानमंत्रियों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली झापा-5 से चुनाव लड़ रहे हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओइस्ट सेंटर) के पुष्प कमल दहल प्रचंड रुकुम पूर्व से मैदान में हैं। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल व प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से हैं।

पश्चिमी अफ्रीकी देश में चुनाव की तैयारी, सेना बोली- दिसंबर में चुने जाएंगे राष्ट्रपति

गिनी-बिसाऊ (एजेंसी)। पश्चिम अफ्रीका के गिनी-बिसाऊ में राजनीतिक अस्थिरता के बीच चुनावों का एलान कर दिया गया है। यहां पिछले साल नवंबर में सेना ने सत्ता संभाली थी। मौजूदा सैन्य सरकार का कहना है कि देश में अब निष्पक्ष चुनाव के लिए हालात पूरी तरह सामान्य हैं। पश्चिम अफ्रीका के गिनी-बिसाऊ देश ने पिछले साल सैन्य तख्तापलट के बाद अब नई सरकार के गठन के लिए देश में नए चुनावों की तारीख तय कर दी है। जुंटा (सैन्य अधिकारियों का एक समूह जो बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा करके देश पर शासन करता है) के नेता जनरल होर्टा इंटा-ए ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रपति और संसद के चुनाव छह दिसंबर को होंगे। जनरल ने एक आदेश जारी कर कहा कि अब देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए माहौल पूरी तरह तैयार है। कई बार हुई है तख्तापलट की कोशिश पिछले साल नवंबर में सेना ने यहां की सत्ता अपने हाथ में ले लिया था। इसके बाद पूर्व सेना प्रमुख इंटा-ए को एक साल के लिए सरकार चलाने की जिम्मेदारी मिली थी। गिनी-बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता है। पुर्तगाल से आजादी मिलने के 50 साल बाद भी यहां अक्सर तख्तापलट होता रहता है। पिछले साल अक्टूबर में भी तख्तापलट की एक कोशिश हुई थी। पश्चिम अफ्रीका कई देशों में हुआ है तख्तापलट यह देश लैटिन अमेरिका और यूरोप के बीच ड्रग्स की तस्करी का बड़ा केंद्र माना जाता है। जानकारों का कहना है कि इसी वजह से यहां राजनीतिक संकट बना रहता है।

'रूस और यूक्रेन चाहते हैं समझौता', ट्रंप का दावा- शांति के प्रयास काफी हद तक सफल

दावोस (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। यूक्रेन और रूस के बीच शांति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन दोनों ही मौजूदा संघर्ष को समाप्त करने के लिए समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि समझौता कराने के प्रयास 'काफी हद तक सफल' हो चुके हैं, हालांकि उन्होंने दोनों देशों के नेतृत्व के बीच गहरी शत्रुता की ओर भी इशारा किया। ट्रंप ने ये टिप्पणियां दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कीं, जहां उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष, नाटो और युद्ध में वाशिंगटन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। रूस-यूक्रेन युद्ध पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की और पुतिन के बीच नफरत के बावजूद इसका समाधान संभव है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मैंने 8 से अधिक युद्ध सुलझाए हैं, और मुझे लगा था कि यह मेरे लिए आसान युद्धों में से एक होगा। कुछ युद्ध तो मैंने घंटों में ही सुलझा लिए, क्योंकि मैं ऐसे कामों में माहिर हूं। संयुक्त राष्ट्र को यह करना चाहिए। मुझे नहीं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम लाखों लोगों की जान बचा रहे हैं। यूक्रेन-रूस के मामले में राष्ट्रपति जेलेंस्की और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बहुत ज्यादा नफरत है। यह सुलह के लिए अच्छा नहीं है। यह असामान्य

नफरत है। इसके बावजूद मुझे लगता है कि रूस समझौता करना चाहता है। मुझे लगता है कि यूक्रेन भी समझौता करना चाहता है और हम समझौता करवाने की कोशिश करेंगे। हम काफी करीब हैं।' 'नाटो अमेरिका के साथ 'बहुत अन्यायपूर्ण' व्यवहार करता है' इस बीच दावोस में अपने भाषण के दौरान ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध में वाशिंगटन की भूमिका को कम करके आंका और तर्क दिया कि यह संघर्ष मुख्य रूप से यूरोप की जिम्मेदारी है। उन्होंने नाटो के बारे में बात करते हुए कहा कि नाटो अमेरिका के साथ 'बहुत अन्यायपूर्ण' व्यवहार करता है। ट्रंप ने गठबंधन पर चर्चा करते हुए यूक्रेन और रूस द्वारा उसके खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध का मुद्दा उठाया और अपने इस दावे को दोहराया कि अगर वह उस समय राष्ट्रपति होते तो यह युद्ध नहीं होता। उन्होंने 2020 के अमेरिकी चुनावों को 'धांधलीपूर्ण' बताते हुए अपने दावे को दोहराया। यूक्रेन की शांति नाटो-यूरोप की जिम्मेदारी: ट्रंप युद्ध समाप्त करने के प्रयासों से अमेरिका को क्या हासिल हुआ, इस पर सवाल उठाते हुए ट्रंप ने पूछा कि उनके देश को 'मौत, विनाश और उन लोगों को भारी मात्रा में नकदी देने के अलावा क्या मिला जो हमारे प्रयासों की सराहना नहीं करते?' उन्होंने कहा, '(मैं) नाटो की बात कर रहा हूं, मैं यूरोप की बात कर रहा हूं। उन्हें यूक्रेन पर काम करना होगा। हमें नहीं। अमेरिका बहुत दूर है। हमारे बीच एक विशाल, सुंदर महासागर है। हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है।' ट्रंप ने आगे कहा कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से सीधे बातचीत कर रहे हैं। बुधवार को जब ट्रंप विश्व आर्थिक मंच पर बोल रहे थे, तब जेलेंस्की कीव में थे।

सरकार ने कबूला हिंसा में मारे गए 3000 से ज्यादा लोग, जानें क्या है मानवाधिकार संगठनों का आंकड़ा

दुबई (एजेंसी)। ईरान में प्रदर्शन के दौरान मरने वालों की संख्या को लेकर पहली बार सरकार की तरफ से बयान जारी किया है। सरकार के अनुसार ये आंकड़ा 3117 है, वहीं मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि इस दौरान 4560 मौतें हुई हैं। दोनों में लगभग 1400 से ज्यादा लोगों का अंतर है। ईरान में हाल ही में हुए बड़े विरोध-प्रदर्शनों को लेकर अब पहली बार सरकार ने मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा जारी किया है। ईरानी सरकारी टीवी ने बताया है कि इन प्रदर्शनों में कुल 3117 लोगों की मौत हुई है। ये प्रदर्शन 28 दिसंबर से शुरू हुए थे। सरकारी टीवी पर शहीद फाउंडेशन का बयान दिखाया गया, जिसमें कहा गया कि मरने वालों में से 2427 लोग आम नागरिक और सुरक्षा बलों के सदस्य थे। बाकी लोग कौन थे, इस बारे में सरकार ने कोई साफ जानकारी नहीं दी। मानवाधिकार संगठनों ने बताया आंकड़ा 4500 के पार वहीं दूसरी तरफ, अमेरिका स्थित एक मानवाधिकार संगठन मन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) ने मरने वालों की संख्या इससे कहीं ज्यादा बताई है। उनके मुताबिक, इन प्रदर्शनों में अब तक 4560 लोगों की मौत हो चुकी है। यह संस्था ईरान के अंदर मौजूद अपने कार्यकताओं के नेटवर्क के जरिए जानकारी जुटाती है और पहले भी उनके आंकड़े काफी हद तक सही साबित हुए हैं। ईरान में हालात बद से बदतर एक अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने कहा है कि वह खुद से इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं कर सकी है, क्योंकि ईरान में हालात ऐसे हैं कि स्वतंत्र रूप से जांच करना बहुत मुश्किल है।

ट्रंप के 'शांति बोर्ड' के गठन के बीच इस्राइल का गाजा पर हमला

11 फलस्तीनियों की मौत

काहिरा (एजेंसी)। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार इस्राइली गोलीबारी में गाजा में 11 फलस्तीनी

लोग मारे गए, जिनमें 2 बच्चे भी शामिल हैं। यह हमला शांति बोर्ड के गठन के एलान के बाद अब तक की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई बताई जा रही है। इस्राइली सेना की गोलीबारी में गाजा में 11 फलस्तीनी लोगों की मौत हुई है। जिनमें 2 बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। इस्राइल का गाजा किया गया यह हमला ऐसे वक्त सामने आया है, जब जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम के लिए 'शांति बोर्ड' की घोषणा की है, जिसमें इस्राइल भी शामिल होगा। जिसका एलान खुद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने किया है। युद्धग्रस्त गाजा में स्थित अस्पतालों ने बताया कि इस्राइली सेना ने बुधवार को गाजा में कम से कम 11 फलस्तीनियों को मार डाला, जिनमें दो 13 वर्षीय लड़के, तीन पत्रकार और एक महिला शामिल थीं। दावा किया गया है कि अक्तूबर में हमास और इस्राइल के बीच युद्धविराम लागू होने के बाद से गाजा में यह सबसे घातक दिनों में से एक था। शिविर के एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों में तीन फलस्तीनी पत्रकार भी शामिल थे, जो मध्य गाजा में एक विस्थापन शिविर के पास रिपोर्टिंग करते समय मारे गए। वहीं इस्राइली सेना ने कहा कि यह हमला तब किया गया जब उसने ड्रोन का संचालन कर रहे संदिग्धों को देखा, जिनसे उनके सैनिकों को खतरा था। दोनों लड़कों की मौत अलग-अलग घटनाओं में हुई। मध्य शहर दीर अल-बलाह के अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, जहां शव प्राप्त हुए थे, एक हमले में 13 वर्षीय लड़के, उसके पिता और 22 वर्षीय व्यक्ति को इस्राइल ड्रोन ने मध्य बुरेज शरणार्थी शिविर के पूर्वी हिस्से में निशाना बनाया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या तीनों ने इजरायल के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में प्रवेश किया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।